केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

सबसे बड़ा न्यायालय हमारी आत्मा होती है क्या सही है और क्या गलत है,उसे सब पता होता है..

वर्ष : 16 अंक : 336 | उज्जैन, सोमवार 18 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

इडली को रसगुल्ला कहना पाप है, सोशल मीडिया पर शशि थरूर का जवाब हुआ वायरल

नई दिल्ली/ जीएनएस। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने मजाक में कांग्रेस सांसद शशि थरूर को टैग करते हुए कहा कि अगर उन्होंने रसगुल्ले और इडली की तुलना वाली वायरल पोस्ट देख ली, तो वह अपनी खास शैली में उसका जवाब जरूर देंगे। इसके बाद शशि थरूर ने लंबा और मजेदार जवाब देते हुए दक्षिण भारतीय व्यंजन इडली का जोरदार बचाव किया। दरअसल, वायरल पोस्ट में लिखा गया था कि रसगुल्ला सिर्फ चीनी की चाशनी में डूबी हुई इडली है और इसे सबसे ओवररेटेड मिठाई बताया गया था। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने लिखा कि रसगुल्ले और इडली की तुलना करना सिर्फ खाने की गलती नहीं, बल्कि एक गहरी ब्रह्मांडीय गलतफहमी है। शशि थरूर ने कहा कि रसगुल्ला और इडली पूरी तरह अलग चीजें हैं। उन्होंने बताया कि रसगुल्ला छेना यानी दूध से बने मुलायम पदार्थ से तैयार होता है, जबकि इडली चावल और उड़द दाल के खमीर वाले घोल से बनाई जाती है। उन्होंने कहा कि दोनों की बनावट, स्वाद, उपयोग और उद्देश्य पूरी तरह अलग हैं। थरूर के मुताबिक, रसगुल्ला हल्की और मीठी मिठाई है, जबकि इडली पौष्टिक, भाप में पका हुआ और संतुलित भोजन है। उन्होंने इडली को दुनिया की सबसे बड़ी पाक कला इंजीनियरिंग उपलब्धियों में से एक बताते हुए कहा कि इसे सही तरीके से बनाना एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। थरूर ने कहा कि इडली सिर्फ एक फीका केक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पोषण का शानदार उदाहरण है। उन्होंने बताया कि सही तरीके से खमीर उठाकर बनाई गई इडली शरीर के लिए फायदेमंद होती है और सांभर, घी तथा मिलागा पोड़ी के साथ उसका स्वाद और बढ़ जाता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि यह सोचना भी गलत है कि इडली कभी चीनी की चाशनी में डूबना पसंद करेगी। थरूर ने इसे दक्षिण भारतीय पाक कला की गरिमामयी पहचान बताया। अंत में उन्होंने लिखा कि अगर किसी को रसगुल्ला पसंद नहीं है तो वह उसकी मिठास या बनावट पर बहस कर सकता है, लेकिन महान, पूरी तरह खमीर उठी और भाप में पकी इडली को इस बहस से दूर रखा जाए।

अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और जियोमार्ट पर एक्शन की तैयारी?

नई दिल्ली/ जीएनएस। मोबाइल एप पर क्लिक करते ही अब खेती में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशक और हर्बीसाइड किसानों के घर तक पहुंच जा रहे हैं। इससे खरीदारी में आसानी तो है, लेकिन खतरा भी बड़ा है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की जांच में पता चला कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए ऐसे कृषि रसायनों की बिक्री हो रही है, जो पंजीकृत नहीं हैं या जिनकी जरूरी सुरक्षा और रासायनिक जानकारी उपभोक्ताओं को नहीं दी जा रही है। इसे खाद्य सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला मानते हुए सीसीपीए ने कंपनियों से ऐसे उत्पादों की पिछले दो वर्षों की बिक्री, विक्रेताओं का ब्योरा और उनकी जांच प्रणाली की जानकारी मांगी है। साथ ही चेताया भी है कि आनलाइन प्लेटफार्म सिर्फ मध्यस्थ होने का दावा कर जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। उन्हें तय करना होगा कि उनके प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले कृषि रसायन वैध लाइसेंस और जरूरी अनुमतियों के साथ ही सूचीबद्ध हों। सीसीपीए ने अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और जियोमार्ट जैसे कुछ बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जांच में पाया गया कि साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड नामक एक कृषि रसायन की ऑनलाइन बिक्री की जा रही है, जो कीटनाशक अधिनियम की सूची में पंजीकृत नहीं है। गंभीर बात यह कि उत्पाद की लिस्टिंग में उसकी रासायनिक संरचना, सक्रिय तत्व, लाइसेंस नंबर और खतरनाक प्रभावों से जुड़ी अनिवार्य चेतावनियां तक नहीं दी जा रही थीं।

प्रदेश में पेपर लैस कार्य संस्कृति को किया जा रहा प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने प्रदेश की पहल को सराहा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में पेपरलेस कार्य संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। नागरिकों को एमपी ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाइल ऐप पर सरकार के 56 विभागों की 1700 सेवाएं एक ही पोर्टल पर उपलब्ध हैं। प्रदेश में साइबर तहसीलों की स्थापना हो चुकी है। इस नवाचार को प्रधानमंत्री पुरस्कार भी मिल चुका है। भोपाल में देश के पहले साइबर पंजीयन कार्यालय की शुरुआत की गई है। प्रदेश में ई-जीरो एफआईआर का भी शुभारंभ किया गया है। मंत्रि-परिषद की कार्यवाही पूर्णत- पेपरलैस हो चुकी है, जिससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता भी बढ़ी है। प्रदेश में सुशासन के साथ ग्रीन गवर्नेंस को भी बढ़ावा मिल रहा है। इन नवाचारों से प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं और जन सामान्य से जुड़ी सेवाओं तक आम आदमी की पहुंच को आसान और उनके उपयोग को सरल व सुगम बनाया जा रहा है। सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश-न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने जबलपुर के एक कार्यक्रम में प्रदेश में पेपर लैस कार्य प्रणाली को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, पूर्णत- पेपरलैस बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इससे पर्यावरण को भी संबल मिलेगा।

गुड गवर्नेंस के नए आयाम होंगे स्थापित- प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुशासन के मंत्र को आत्मसात करते हुए मिनिमम

गवर्नमेंट- मैग्सिमम गवर्नेंस के मूल मंत्र के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में गुड गवर्नेंस के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में सक्रिय हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यालयों में फाइलों की मॉनिटरिंग, समयबद्ध निराकरण और उत्तरदायित्व सुनिश्चित हुआ है। इससे भ्रष्टाचार में कमी, पारदर्शिता में वृद्धि तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं में गति आई है। लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सीएम हेल्पलाइन नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है। संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर सिस्टम के माध्यम से प्रदेश में रजिस्ट्री की सुविधा अब लोगों के लिए आसान हुई है। नागरिक अब घर बैठे दस्तावेज के पंजीयन करवा रहे हैं। वारंट और समन की तामील के लिए ई-तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। मध्यप्रदेश, ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है।

तकनीक के बदलते दौर में बदल रहा न्यायिक प्रशासन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही, सुशासन के दो मजबूत स्तंभ हैं और एक -दूसरे के पूरक भी। पारदर्शिता से जवाबदेही मजबूत होती है और जवाबदेही स्वयं पारदर्शिता की कारक होती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल क्रांति ने देश में सर्विस डिलीवरी और व्यवस्था की जवाबदेही को मजबूती दी है। तकनीक आज सामाजिक परिवर्तन के साथ व्यवस्था में बदलाव का भी प्रमुख कारक बन गई है। तकनीक के इस बदलते दौर में प्रदेश के न्यायालय तेजी से बदल रहे हैं। वर्षों तक न्यायिक प्रक्रिया कागजी अभिलेखों पर आधारित रही। एफआईआर से लेकर चार्जशीट, केस डायरी, मेडिकल रिपोर्ट, फॉरेंसिक रिपोर्ट, समन, वारंट और अंतिम निर्णय हर चरण पर भौतिक दस्तावेजों का आदान-प्रदान होता था। अब डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के माध्यम से हम ÷एंड-टू-एंड ई-प्रोसीडिंग%% की ओर बढ़ रहे हैं। ई-फाइलिंग, ई-समन, डिजिटल केस मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) और इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं न्यायिक प्रशासन को अधिक कुशल बना रही हैं। महाधिवक्ता कार्यालय में भी पेपरलैस प्रणाली स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। केस मैनेजमेंट, डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन केस ट्रैकिंग एवं विभागीय समन्वय के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है।

कानूनी जागरूकता बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने अधिकारों को जानना जरूरी है। कमजोर वर्गों, महिलाओं और बुजुर्गों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। कानून की भाषा ऐसी होनी चाहिए जो न्याय चाहने वाले व्यक्ति को सरलता से समझ में आ जाए। राज्य सरकार जन सामान्य में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर कार्यरत है। डिजिटल समय में कानूनी प्रक्रियाओं को डिजिटली सशक्त करने से न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक सशक्त और जीवंत बनाने में सहायक होगी।

दुनिया में बढ़ी भारत की डिमांड, वैश्विक संकट के बीच नए बाजारों ने खोले निर्यात के रिकॉर्ड रास्ते

नई दिल्ली/ जीएनएस। निर्यात विविधता का फायदा भारत को मिलने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले साल कुल निर्यात में उत्तरी अमेरिका, उत्तर-पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत से ज्यादा रही।

मूल्य की बात करें तो 2025-25 में इन देशों को 441.78 अरब डालर का वस्तु निर्यात किया गया। वैश्विक व्यापार में व्यवधान के बावजूद भारत द्वारा निर्यात विविधता और नए बाजार तलाशने की कवायद का ही नतीजा रहा कि अप्रैल में निर्यात 13 प्रतिशत बढ़कर 43.56 अरब डालर रहा। पूर्वी अफ्रीका को निर्यात 13.7 प्रतिशत बढ़कर 12.6 अरब डालर हो गया जो भारत के निर्यात का 2.9 प्रतिशत है। उत्तरी अफ्रीका को निर्यात 14.8 प्रतिशत

बढ़कर आठ अरब डालर हो गया और कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 1.8 प्रतिशत रही। एक अधिकारी ने कहा, 2025-26 में भारत का निर्यात बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को दिखाता है, जिसमें वैश्विक व्यापार में रुकावटों के बावजूद एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में मजबूत वृद्धि हुई है।

आंकड़ों पर गौर करें तो कुल निर्यात में उत्तरी अमेरिका का दबदबा बना हुआ है और पिछले साल इस क्षेत्र को निर्यात 97.7 अरब डालर रहा। यह कुल निर्यात का 22.1 प्रतिशत है। हालांकि, निर्यात में वृद्धि की बात करें तो यह साल-दर-साल मात्र 1.3 प्रतिशत रही।

निर्यात में सबसे ज्यादा तेजी उत्तर-पूर्व एशिया क्षेत्र में रही। इस क्षेत्र में निर्यात 21.6 प्रतिशत बढ़कर 41.6 अरब डालर हो गया और इससे भारत के कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर 9.4 प्रतिशत हो गई।

केरलम में नई सत्ता की तस्वीर साफः सीएम पद की शपथ से पहले वीडी सतीशन ने किया मंत्रिमंडल का एलान

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरलम के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वीडी सतीशन ने रविवार को अपने नए मंत्रिमंडल के सदस्यों के नामों का एलान कर दिया। सोमवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में ये सभी मंत्री उनके साथ पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे।

नई कैबिनेट में कई बड़े और अनुभवी नेताओं को जगह दी गई है। इनमें रमेश चेन्निथला, केरलम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ और वरिष्ठ कांग्रेस नेता के मुरलीधरन प्रमुख नामों में शामिल हैं। इसके अलावा वी डी सतीशन ने यह भी घोषणा की कि थिरुवंचूर राधाकृष्णन को केरलम विधानसभा का स्पीकर बनाया जाएगा, जबकि शानीमोल उस्मान डिप्टी स्पीकर होंगी। कांग्रेस नीत गठबंधन के प्रमुख सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने भी नई सरकार के लिए अपने पांच नेताओं के नाम तय कर दिए हैं। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब विधानसभा चुनाव में गठबंधन की जीत के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

विजय से कोई ईर्ष्या नहीं, तमिलनाडु चुनाव के बाद स्टालिन से मिलने पर बोले रजनीकांत

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुपरस्टार रजनीकांत ने राजनीति और सिनेमा के गलियारों में तैर रही अफवाहों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ किया कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के प्रति उनके मन में कोई द्वेष या ईर्ष्या नहीं है।

चेन्नई में अपने पोएस गार्डन आवास पर संवाददाताओं से भावुक होकर बात करते हुए रजनीकांत ने कहा कि द्रमुक प्रमुख एम.के. स्टालिन के साथ उनकी हालिया मुलाकात पूरी तरह से एक दोस्ताना और शिष्टाचार भेंट थी, जिसका कोई राजनीतिक मकसद नहीं था। रजनीकांत ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा जा रहा था कि वह विजय की राजनीतिक राह में रोड़े अटकाना चाहते हैं। रजनीकांत ने दिल खोलकर मुख्यमंत्री विजय की तारीफ की।

भारतीय जूतों को मिलेगी वैश्विक पहचान, एनटीएच ने शुरू की आधुनिक टेस्टिंग लैब

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत अब सिर्फ ज्यादा जूते बनाने की नहीं, बल्कि दुनिया को बेहतर गुणवत्ता वाले और भरोसेमंद फुटवियर उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी मकसद से नेशनल टेस्ट हाउस (एनटीएच) ने अब गाजियाबाद में अत्याधुनिक शू टेस्टिंग लैब की स्थापना की है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में जूतों के मामलों में अब सिर्फ सस्ते उत्पादों से काम नहीं चलता है। अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों में जूतों की गुणवत्ता, सुरक्षा और टिकाऊपन को लेकर कड़े नियम लागू हैं। ऐसे में भारतीय कंपनियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अंतरराष्ट्रीय

मानकों को पूरा करने की रहती है। नई लैब इसी कमी को दूर करने की कोशिश है। यहां जूतों की मजबूती, फिसलन रोधी क्षमता, पानी से सुरक्षा, सामग्री की गुणवत्ता और हानिकारक रसायनों की जांच आधुनिक मशीनों से की जाएगी।

यह लैब भारतीय मानक ब्यूरो (आईएस) के तय मानकों के अनुसार विभिन्न प्रकार के फुटवियर की जांच करने में सक्षम होगी। इसमें सुरक्षा जूते, औद्योगिक शूज, स्कूल शूज, लेदर फुटवियर, पीवीसी चप्पल, बच्चों के जूते, स्पो?र्ट्स शूज और खतरनाक औद्योगिक क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले विशेष सुरक्षा बूट तक की टेस्टिंग की जा सकेगी।

नीदरलैंड के चमत्कारी बांध से प्रभावित हुए मोदी, अब गुजरात में दिख सकता है ऐसा ही मेगा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने डच समकक्ष राब जेटेन के साथ नीदरलैंड के ऐतिहासिक अफस्लुइटडिज्क बांध का दौरा किया। इस दौरान दोनों देशों ने जल प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन के अनुरूप बुनियादी विकास में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेट मीडिया पर कहा कि जल प्रबंधन के क्षेत्र में नीदरलैंड ने अभूतपूर्व कार्य किया है, जिससे दुनिया को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा और अंतर्देशीय जलमार्गों के विस्तार के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाने के प्रति

प्रतिबद्ध है। एएनआइ के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने अफस्लुइटडिज्क को जल प्रबंधन और नवाचार का प्रतीक बताया। लगभग 32 किलोमीटर लंबा यह बांध उत्तरी सागर को इज्सेलमीर मीठे पानी की झील से अलग करता है और नीदरलैंड के निचले इलाकों को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करता है।

करीब 80 वर्ष पुरानी यह परियोजना अब अफस्लुइटडिज्क 2.0 के तहत आधुनिकीकरण से गुजर रही है, जिसमें सुदृढ़ जल निकासी प्रणाली, मछली प्रवास गलियारे तथा सौर एवं पवन ऊर्जा जैसी तकनीकों को शामिल किया जा रहा है।

डच अधिकारियों के अनुसार इस आधुनिकीकरण परियोजना पर लगभग 80 करोड़ यूरो (93 करोड़ डालर) खर्च होंगे। यह बांध केवल बाढ़ सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवहन, पर्यटन, नौवहन और मीठे पानी के भंडारण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत की अफस्लुइटडिज्क साबित होगी कल्पसर परियोजना- पीटीआई के अनुसार, भारत की इस परियोजना में रुचि जलवायु परिवर्तन, शहरी बाढ़, जल संकट और समुद्री जल के बढ़ते खतरे के कारण बढ़ी है। विशेष रूप से गुजरात की प्रस्तावित कल्पसर परियोजना को लेकर डच माडल को उपयोगी माना जा रहा है।

कल्पसर परियोजना के तहत खंभात की खाड़ी पर लगभग 30 किलोमीटर लंबा बांध बनाकर विशाल मीठे पानी का जलाशय तैयार करने की योजना है।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या अब 38ः लंबित मामलों के बीच बड़ा फैसला, राष्ट्रपति का अध्यादेश जारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ा कर 38 करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अध्यादेश जारी कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में अभी भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) को मिलाकर कुल 34 न्यायाधीश हैं। जारी अध्यादेश में सुप्रीम कोर्ट में चार न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाई गई है जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में सीजेआइ सहित न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई है।

1950 में जब सुप्रीम कोर्ट स्थापित हुआ था तब सीजेआइ को मिला कर कुल आठ न्यायाधीश थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या उस समय बढ़ी है जब सर्वोच्च अदालत में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने न्याय को गति देने और लंबित मामलों के जल्दी निपटारे के उद्देश्य से गत पांच मही को सुप्रीम कोर्ट में चार न्यायाधीशों को बढ़ाने की मंजूरी दी थी।

कब-कब बढ़ी सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या- पहली बार 1956 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए अधिनियम पारित किया गया जिसमें न्यायाधीशों की संख्या बढ़ा कर 10 कर दी गई। इसमें सीजेआइ शामिल नहीं थे। 1960 में संख्या बढ़ा कर 13, 1977 में 17 और 1986 में चीफ जस्टिस को छोड़ कर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या 25 कर दी गई।

इसके बाद 2008 में यह 30 हो गई। 2019 में संख्या 30 से बढ़ा कर 33 कर दी गई जिसमें चीफ जस्टिस शामिल नहीं थे। चीफ जस्टिस को मिला कर 34 न्यायाधीश हो गए थे। और अब चार और न्यायाधीश बढ़ाए गए हैं।

स्वच्छता के साथ सोलर सिटी बनने की दिशा में बढ़ रहा इंदौर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के स्वच्छतम शहर इंदौर में अब स्वच्छता के साथ-साथ सौर ऊर्जा के उपयोग को लेकर भी तेजी से जागरूकता बढ़ रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को धेनू मार्केट क्षेत्र का दौरा कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया और हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी के सोलर मॉडल को शहर के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

महापौर ने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी में रहवासियों से संवाद कर शहर के विकास, स्वच्छता और ऊर्जा संरक्षण से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

संवाद के दौरान महापौर ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में नगर निगम द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए भविष्य के इंदौर की रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

महापौर ने कहा कि इंदौर को क्लीन सिटी से सोलर सिटी बनाने का संकल्प लिया गया है, जिसकी शुरुआत 'हर घर सोलर' अभियान से हुई। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर संचालित प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत शहर तेजी से आगे बढ़ रहा है। 900 मेगावाट के लक्ष्य में से लगभग 100 मेगावाट क्षमता नागरिक अपने घरों की छतों पर सोलर संयंत्र स्थापित कर विकसित कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि धेनू मार्केट स्थित हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी इस दिशा में एक आदर्श उदाहरण बनकर सामने आई है। सोसाइटी के सभी 35 फ्लैट मालिकों ने व्यक्तिगत सोलर कनेक्शन स्थापित किए हैं, वहीं कॉमन उपयोग के लिए भी इमारत की छत पर सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाया गया है।

महापौर ने कहा कि ऐसे प्रयासों से इंदौर स्वच्छता के साथ-साथ नवीकरणीय और सतत ऊर्जा के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों और भवनों में सोलर रूफटॉप लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे बिजली बिल कम होने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

दौरे के दौरान रहवासियों ने शहर के समग्र विकास, यातायात सुधार, हरित क्षेत्र विस्तार, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को लेकर महापौर को कई सुझाव भी दिए।

क्राइम ब्रांच ने ब्राउन शुगर मामले में फरार आरोपी को पकड़ा, दो देशी पिस्टल बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्राइम ब्रांच इंदौर ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी विमल श्रीवास को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो अवैध देशी पिस्टल भी बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी शहर के विभिन्न थानों में आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एवं पुलिस उपायुक्त क्राइम ब्रांच के मार्गदर्शन में गठित टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। क्राइम ब्रांच की टीम ने पूर्व में गिरफ्तार आरोपी साहिल से मिली जानकारी और मुखबिर सूचना के आधार पर फरार आरोपी विमल श्रीवास निवासी परदेशीपुरा को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी अन्य राज्यों से अवैध हथियार खरीदकर इंदौर शहर में सप्लायर्स को उपलब्ध कराता था। पुलिस ने बताया कि इससे पहले इसी प्रकरण में आरोपी सौरभ, गौरव और साहिल को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 15 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई थी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई गई थी। पूछताछ के दौरान साहिल से मिली जानकारी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर विमल श्रीवास का नाम सामने आया था, जो घटना के बाद से फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच ने आरोपी को चिन्हित कर गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से दो अवैध देशी पिस्टल जब्त कीं। आरोपी प्राइवेट नौकरी करता है तथा उसने दसवीं तक शिक्षा प्राप्त की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में मादक पदार्थ और अवैध हथियार तस्करी से जुड़े कई बड़े खुलासे होने की संभावना है। इस कार्रवाई में क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भोजशाला की प्रतिमाओं पर छिड़े विवाद को हाई कोर्ट ने ऋग्वेद और साझा प्रतीकों के जरिए सुलझाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार भोजशाला मामले में शुक्रवार को आए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के निर्णय में केवल पूजा अधिकार और ऐतिहासिक दावों पर ही चर्चा नहीं हुई, बल्कि हिंदू और जैन परंपराओं के संबंधों पर भी विस्तार से टिप्पणियां की गईं। कोर्ट ने कहा कि भारतीय परंपराओं में हिंदू और जैन आस्थाओं के बीच कई सांस्कृतिक व धार्मिक समानताएं दिखाई देती हैं। इसी कारण दोनों परंपराओं के मंदिरों में एक-दूसरे की प्रतिमाएं मिलना असामान्य नहीं माना जा सकता। ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा हिंदू और जैन दोनों परंपराओं में होती है। किसी हिंदू देवी प्रतिमा के साथ जैन तीर्थंकर या साधक की आकृति का मिलना स्वाभाविक माना जा सकता है। भारतीय धार्मिक परंपराओं में साझा प्रतीकों और सांस्कृतिक प्रभावों का इतिहास पुराना रहा है। निर्णय में यह बात उस संदर्भ में लिखी गई है जब भोजशाला परिसर से जुड़ी प्रतिमाओं को लेकर हिंदू और जैन पक्ष अलग-अलग दावे कर रहे थे। जैन पक्ष की ओर से कुछ प्रतिमाओं को अंबिका और जैन विद्या देवी स्वरूप बताया गया, जबकि हिंदू पक्ष ने उन्हें वाग्देवी (सरस्वती) का स्वरूप बताया। कोर्ट ने इस संदर्भ में ऋग्वेद में वर्णित मां सरस्वती के उल्लेख और प्रतिमा से जुड़े ऐतिहासिक अध्ययनों का भी हवाला दिया। बता दें, इस मामले में एक याचिकाकर्ता सलेकचंद जैन ने भोजशाला को जैन गुरुकुल घोषित करने की मांग करते हुए पूजा की अनुमति मांगी थी। यह याचिका उक्त टिप्पणियों के साथ निरस्त कर दी गई। हाई कोर्ट ने मध्य प्रदेश के रतलाम के एक जैन मंदिर का उदाहरण भी दिया। वहां शिवलिंग और गणेश प्रतिमा भी स्थापित हैं। कोर्ट ने इसे साझा धार्मिक परंपराओं का उदाहरण बताया और कहा कि दोनों परंपराएं एक ही सर्वोच्च सत्ता की उपासना के भाव से जुड़ी हुई दिखाई देती हैं। कोर्ट ने हिंदू विवाह अधिनियम-1955 और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम-1956 का भी उल्लेख किया, जिनमें जैन और बौद्ध समुदायों को हिंदू विधि के दायरे में माना गया है। कोर्ट ने मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की धार्मिक अवधारणा समझाने के दौरान कहा कि कुछ विद्वान प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया को आधुनिक क्वांटम थ्योरी के एंटैंगलमेंट सिद्धांत से जोड़कर समझाते हैं। क्वांटम एंटैंगलमेंट वह स्थिति है, जिसमें ऊर्जा या पदार्थ के कण दूरी के बावजूद एक-दूसरे को प्रभावित कर सकते हैं। इसी उदाहरण के जरिये यह समझाने का प्रयास किया गया कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रतिमा दिव्य ऊर्जा से जुड़ जाती है। यानी मंदिर हमेशा मंदिर रहता है।

राजधानी एक्सप्रेस में आग लगने की घटना में सभी यात्री सुरक्षित, रेलकर्मियों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तिरुवनंतपुरम-हजरत निज़ामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस के एक कोच में आग लगने की घटना में रेलकर्मियों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल अंतर्गत नागदा-कोटा खंड पर लूनी रिछा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के बीच रविवार प्रातः गाड़ी संख्या 12431 के बी-1 कोच में आग लगने की सूचना मिली, लेकिन सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जानकारी के अनुसार प्रातः 05:08 बजे ट्रेन की स्वचालित अग्नि संसूचन एवं दमन प्रणाली सक्रिय होते ही ट्रेन स्वतः रुक गई। गाड़ी प्रबंधक उपेंद्र कुमार ने तत्काल स्थिति का आकलन करते हुए यात्रियों को शांतिपूर्वक कोच से बाहर निकाला और नियंत्रण कक्ष को सूचना दी। लोको पायलट दल, टिकट चेकिंग स्टाफ एवं आरपीएफ की सतर्कता से प्रभावित कोच को तुरंत ट्रेन से अलग कर दिया गया, जिससे आग को अन्य कोचों तक फैलने से रोका जा सका।

सूचना मिलते ही रेलवे की आपातकालीन व्यवस्था सक्रिय कर दी गई। दुर्घटना राहत गाड़ी और दुर्घटना राहत मेडिकल वाहन घटनास्थल पर भेजे गए। चार अग्निशमन वाहनों की मदद से आग पर नियंत्रण पाया गया और सुबह 08 बजे तक आग पूरी तरह बुझा दी गई। स्थानीय पुलिस और नागरिक प्रशासन ने भी रेलवे के साथ समन्वय बनाकर राहत कार्य में सहयोग किया।

मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अविरल शर्मा कोटा स्टेशन पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने यात्रियों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

यात्रियों की आगे की यात्रा प्रभावित न हो, इसके लिए कोटा स्टेशन पर तत्काल एक नया वातानुकूलित कोच ट्रेन में जोड़ा गया। प्रभावित यात्रियों को भोजन, जूते-चप्पल, विशेष राहत सहायता राशि तथा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन भी शुरू की।

हजरत निज़ामुद्दीन तक यात्रियों की सहायता के लिए ट्रेन में वाणिज्य निरीक्षक, स्काउट एवं गाइड सदस्य, कल्याण निरीक्षक, अधिकारी और चिकित्सा दल को विशेष रूप से तैनात किया गया। मंडल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारी लगातार नियंत्रण कक्ष से स्थिति की निगरानी करते रहे। वाणिज्य, यांत्रिक, विद्युत, अभियांत्रिकी, रेलवे सुरक्षा बल और चिकित्सा विभाग के संयुक्त प्रयासों से राहत एवं बचाव अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों और कर्मचारियों की तत्परता के कारण संभावित बड़ी दुर्घटना को समय रहते टाल दिया गया तथा सभी यात्री सुरक्षित अपनी आगे की यात्रा पर रवाना हो सके।

लारेंस -हैरी बॉक्सर गैंग पर संगठित अपराध की धारा लगाएगी एसआईटी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कसरावद(खरगोन) जेल में बंद आरोपित कुलदीप चौहान का विशेष जांच दल(एसआईटी) ने दो दिन का पुलिस रिमांड मांगा है। पुलिस कुलदीप और सचिन उर्फ वेदप्रकाश शर्मा से आमने सामने पूछताछ करेगी। सचिन भी रिमांड पर चल रहा है। डीसीपी(अपराध) राजेश त्रिपाठी के अनुसार कुलदीप निवासी कसारी चौहान(रतलाम) को खरगोन पुलिस ने बायो काटन कारोबारी दिलीप राठौर पर हमले में गिरफ्तार किया था। दिलीप से हैरी बाक्सर ने लारेंस के नाम से 10 करोड़ रुपये मांगे थे। पूर्व में गिरफ्तार आरोपित राजपाल(नागदा) ने कुलदीप का नाम साजिश में बताया था। पुलिस ने कुलदीप से पूछताछ शुरू कर दी है। डीसीपी के अनुसार आरोपित सचिन शर्मा भी रिमांड पर चल रहा है। दोनों से आमने सामने पूछताछ होगी। पुलिस इस मामले में राजपाल चंद्रावत(नागदा), सोनू(जीत नगर),सचिन शर्मा(महीदपुर),रोहित उर्फ नाना बर्रा(महीदपुर) को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस अब आरोपितों पर संगठित अपराध की धारा लगाने जा रही है।

आयुक्त ने निर्माणाधीन एसटीपी और ड्रेनेज कार्यों का किया निरीक्षण, समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शनिवार को टिगरिया बादशाह स्थित निर्माणाधीन 40 एमएलडी एसटीपी, टिगरिया रोड पर चल रहे ड्रेनेज लाइन कार्य तथा विभिन्न क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री अश्विन जनवदे, सहायक यंत्री आकाश जैन, कंसल्टेंट एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयुक्त ने अमृत योजना के पैकेज-2 अंतर्गत बजरंग नगर पुलिया, टिगरिया बादशाह स्थित 107 करोड़ रुपए लागत के निर्माणाधीन 40 एमएलडी एसटीपी कार्य एवं टिगरिया रोड पर ड्रेनेज लाइन बिछाने के कार्य का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और एजेंसी को कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार अमृत 2 योजना के तहत योजना क्रमांक-166 अंतर्गत 40 एमएलडी एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ गांधी नगर, नंद बाग, छोटा बांगड़ा और टिगरिया क्षेत्र में सीवर लाइन डालने का कार्य भी जारी है। एसटीपी से शुद्ध किया गया पानी टिगरिया बादशाह तालाब में छोड़े जाने का प्रस्ताव है।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने छावनी, मधुमिलन चौराहा, आरएनटी मार्ग, राजकुमार ब्रिज, मरीमाता चौराहा, किला मैदान रोड, खड़ा गणपति रोड, संगम नगर, कुशवाह नगर, बांगड़दा रोड, टिगरिया बादशाह, रिवर साइड रोड, किशनपुरा एवं छतरी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने इंदौर की ऐतिहासिक धरोहर किशनपुरा छतरी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान वहां की सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

इंदौर में IPL सट्टे के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश, जगदंबा बुक से जुड़े 2 सटोरिए गिरफ्तार, पासवर्ड वाले ऐप से चल रहा था खेल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर क्राइम ब्रांच ने आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित राऊ क्षेत्र के एक मकान से मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप के जरिए लाइव मैच पर हार-जीत का दांव लगवा रहे थे। पुलिस ने मौके से करीब तीन लाख रुपये के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और हिसाब-किताब से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपित संगठित गिरोह के सदस्य हैं।

क्या है मामला- क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रंगवासा स्थित लाभम पार्क के एक मकान में आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा है। शुक्रवार रात करीब 11:50 बजे पुलिस टीम ने दबिश दी। मौके पर चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ के बीच चल रहे मैच पर सट्टा लगाया जा रहा था। पुलिस ने वहां से रोहित भंडारी निवासी लोकनायक नगर और अर्जुन गुप्ता निवासी विधुर नगर को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपित 'जगदंबा बुक समूह' से जुड़े हुए हैं और एक विशेष सॉफ्टवेयर व पासवर्ड प्रोटेक्टेड एप्लीकेशन के जरिए ऑनलाइन सट्टे का नेटवर्क चला रहे थे।

पासवर्ड वाले एप से रखते थे पूरा हिसाब- आरोपित लैपटॉप में 'एसीसीसी-32' नाम के एप्लीकेशन के जरिए सट्टे का पूरा रिकॉर्ड रखते थे। इसे खोलने के लिए पासवर्ड का उपयोग किया जाता था। वहीं टैबलेट में 'स्वास्तिक सॉफ्टवेयर' के माध्यम से लाइव भाव देखकर दांव लगाए जा रहे थे।

पुलिस ने जब्त किए ये सामान- डीसीपी (क्राइम) राजेश त्रिपाठी के अनुसार क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई के दौरान तीन मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, टैबलेट, पेनड्राइव, वाई-फाई राउटर और हिसाब-किताब की डायरी जब्त की। जब्त सामान की कुल कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई गई है।

मैं घोर सनातनी हूं..., दिग्विजय सिंह और उषा ठाकुर के बीच धर्म-भोजशाला पर दिलचस्प जुबानी जंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मैं घोषणा करता आया हूं और आज फिर कह रहा हूं कि मैं घोर सनातन धर्म का मानने वाला हूं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने न सिर्फ यह कहा बल्कि भाजपा विधायक उषा ठाकुर को यह भी कह दिया कि मेरे कहने के बाद ही आपने सनातन धर्म को स्वीकार किया, पहले आप हिंदू-हिंदू धर्म करती थीं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और भाजपा विधायक उषा ठाकुर शनिवार को इंदौर में एक-दूसरे से मिले। इस बीच धर्म पर चर्चा छिड़ी और उनके संवाद का वीडियो शनिवार को वायरल हो गया।

शुक्रवार देर रात कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह इंदौर पहुंचे थे। रेसीडेंसी कोठी में ठहरे सिंह शनिवार सुबह जब निकल रहे थे तो परिसर में उनकी मुलाकात भाजपा विधायक उषा ठाकुर से हुई। औपचारिक मुलाकात के दौरान उषा ठाकुर ने दिग्विजय सिंह का स्वागत करते हुए उन्हें बड़े भाई कहकर पुकारा। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने कहा, मैं घोर सनातन को मानने वाला हूं, मेरे कहने के बाद आपने सनातन कहना शुरू किया। इस पर उषा ठाकुर ने जवाब दिया, हम अनादि काल से सनातनी हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा, अनादि काल से सनातनी तो तुम हो, हम क्या दुश्मन हैं उसके। नर्मदा परिक्रमा, एकादशी व्रत और भोजशाला फैसले पर चर्चा- बातचीत के दौरान दिग्विजय सिंह ने उषा ठाकुर से पूछा, तुमने नर्मदा परिक्रमा की है क्या? इस पर उषा ठाकुर ने कहा, नहीं करी।

तिलक नगर पुलिस ने चैन स्नैचर को दबोचा, छीनी गई सोने की चैन बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तिलक नगर थाना पुलिस ने महिला से चैन छीनने की वारदात में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीनी गई सोने की चैन भी बरामद की है। घटना के दौरान मोटरसाइकिल से गिरने पर आरोपी के हाथ और पैर में चोट आने के बाद उसे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। पुलिस फरार साथी आरोपी की तलाश में जुटी है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त खजराना कुंदन मंडलोई के निर्देशन में लूट एवं संपत्ति संबंधी अपराधों पर कार्रवाई के तहत यह सफलता मिली।

पुलिस के अनुसार डॉ. कीर्ति तिवारी ने अपने बेटे वरुण तिवारी के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि शुक्रवार शाम करीब छह बजे वह महावीर नगर स्थित घर से मंदिर जा रही थीं। महावीर नगर गार्डन के पास काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक पहुंचे और पीछे बैठे युवक ने उनके गले से सोने की चैन झपट ली। झटके से महिला नीचे गिर गई। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दोनों आरोपी भी असंतुलित होकर गिर पड़े।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने चैन छीनने वाले आरोपी को पकड़ लिया, जबकि बाइक चला रहा दूसरा आरोपी मौके से फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम जाहिद पिता मेंहदी हुसैन निवासी छापी हेडा तहसील खिलचीपुर जिला राजगढ़ बताया। फरार आरोपी की पहचान बाबू उर्फ गुफरान अली निवासी पचौर जिला राजगढ़ के रूप में हुई है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। मोटरसाइकिल से गिरने के कारण आरोपी के हाथ और पैर में चोट आई थी, जिसके चलते उसे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीनी गई सोने की चैन का हिस्सा बरामद किया है। बरामद चैन की कीमत करीब 1.20 लाख रुपए बताई गई है।

पुलिस ने आरोपी जाहिद के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी लूट और चोरी के मामले दर्ज होना सामने आया है। पुलिस अन्य वारदातों के संबंध में भी उससे पूछताछ कर रही है, जबकि फरार साथी आरोपी की तलाश जारी है।

कनाड़िया पुलिस की कार्रवाई, ट्रक और स्कॉर्पियो से 340 पेटी अवैध बीयर जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध शराब के परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कनाड़िया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ट्रक और स्कॉर्पियो वाहन से अवैध रूप से परिवहन की जा रही 340 पेटी बीयर जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की कुल मात्रा 4080 लीटर बताई गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 74 लाख 24 हजार रुपए आंकी गई है।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त खजराना कुंदन सिंह मंडलोई के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सहर्ष यादव और उनकी टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर ट्रक और स्कॉर्पियो वाहन को रोका। तलाशी लेने पर वाहनों से 340 पेटी बीयर बरामद हुई।

पुलिस ने मौके से रवि बाहेड़िया निवासी ग्राम आम्बुआ जिला अलीराजपुर, जगदीश चौहान निवासी ग्राम राडावाट जिला अलीराजपुर, राहुल गोद निवासी कुमार खाड़ी बालगंगा इंदौर तथा धर्मेंद्र पीटनारायण अखाड़े निवासी नानपुर जिला अलीराजपुर को गिरफ्तार किया।

दो साल बाद भी नहीं मिली मार्कशीट, भटक रहे छात्र

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर सहित पूरे मध्य प्रदेश में वर्ष 2024-25 में पांचवीं और आठवीं की एमपी बोर्ड परीक्षा देने वाले हजारों विद्यार्थी परेशान हो रहे हैं। इन विद्यार्थियों को दो वर्ष बाद भी अंकसूची (मार्कशीट) नहीं मिली है। हालत यह है कि उस समय पांचवीं में पढ़ने वाले विद्यार्थी अब सातवीं कक्षा में पहुंच चुके हैं, जबकि आठवीं की परीक्षा देने वाले छात्र अब 10वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं। इसके बावजूद विभाग अब तक विद्यार्थियों को उनकी मार्कशीट तक उपलब्ध नहीं करवा पाया है।

मार्कशीट नहीं मिलने के कारण विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई छात्र ऐसे हैं, जो स्कूल बदलकर अन्य संस्थान में प्रवेश लेना चाहते हैं, लेकिन अंकसूची नहीं होने के कारण उनका एडमिशन नहीं हो पा रहा है।

विद्यार्थी और अभिभावक कई बार स्कूल, जनशिक्षा केंद्र और जिला शिक्षा कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई निराकरण नहीं हो पाया है। हर जगह उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से अब तक मार्कशीट नहीं आ पाई है।

भोजशाला पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी मस्जिद कमेटी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड (एआइएमपीएलबी) ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद मामले में आए फैसले को खारिज कर दिया है।

बोर्ड ने दावा किया कि यह फैसला ऐतिहासिक तथ्यों, आधिकारिक रिकार्ड और पुरातात्विक साक्ष्यों के विपरीत है। बोर्ड ने घोषणा की है कि मस्जिद कमेटी इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी, जिसमें बोर्ड उन्हें पूरा कानूनी सहयोग देगा।

नमाज अदा करने के आदेश को किया रद- मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार जिले के इस विवादित परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित करते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के उस दशकों पुराने आदेश को रद कर दिया है, जिसके तहत मुस्लिमों को वहां जुमे की नमाज अदा करने की इजाजत थी।

मुस्लिम धार्मिक जुड़ाव और राजस्व रिकार्ड की अनदेखी- एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता एसक्यूआर इलियास ने कहा कि यह फैसला प्लेसिस आफ वर्शिप एक्ट, 1991 (उपासना स्थल अधिनियम) की मूल भावना और संवैधानिक जनादेश के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि फैसले में सदियों पुराने मुस्लिम धार्मिक जुड़ाव और राजस्व रिकार्ड की अनदेखी की गई है।

हाईकोर्ट ने अपने ही पुराने रुख से यू-टर्न ले लिया है- बोर्ड के अनुसार, एएसआई के अपने आधिकारिक रिकॉर्ड और साइनबोर्ड पर इस स्थल को हमेशा भोजशाला / कमाल मौला मस्जिद के रूप में दर्शाया गया है, जो इसके साझा धार्मिक दर्जे को स्वीकार करता था। साल 2003 की प्रशासनिक व्यवस्था के तहत हिंदुओं को मंगलवार को पूजा और मुस्लिमों को शुक्रवार को नमाज की अनुमति थी। इलियास ने कहा कि यह व्यवस्था दोनों समुदायों के दावों की एएसआई द्वारा दी गई मान्यता थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इस व्यवस्था को समाप्त कर अपने ही पुराने रुख से यू-टर्न ले लिया है।

विविधता में एकता का दर्शन कराती है हमारी संस्कृति- रघुवीर सिंह सिसौदिया

भारत माता के समक्ष दीप प्रज्जवल के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग (विद्यार्थी) का प्रारंभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग (विद्यार्थी) 17 मई 2026 को मन्दसौर में विधिवत प्रारंभ हुआ। इस वर्ग में 28 जिलों से चयनित 302 शिक्षार्थी उपस्थित हैं। 15 दिनों तक चलने वाले इस संघ शिक्षा वर्ग में शिक्षार्थी संघ की कार्यपद्धति सह-जीवन, अनुशासन आदि का प्रशिक्षण लेंगे। प्रातः 4.10 बजे जागरण से लेकर रात्रि 10.15 बजे दीप निमिलन तक विभिन्न शारीरिक एवं बौद्धिक सत्रों द्वारा शिक्षार्थियों का प्रशिक्षण होगा। सत्र का प्रारंभ भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर वर्ग के माननीय सर्वाधिकारी श्री जैनेन्द्र जैन व वर्ग पालक मालवा प्रांत के सह प्रांत प्रचारक श्री केतन सोजीतरा , डॉ. सुमंत कुशवाह वर्ग कार्यवाह भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए मालवा प्रांत के सह कार्यवाह श्री रघुवीरसिंह सिसौदिया ने वर्ग का महत्व बताते हुए कहा मां भारती की सेवा का अवसर हमारे जीवन में आया है। सामूहिक जीवन जीने की कला सीखने का यह अवसर है। आनंद एवं उत्साह का वातावरण हमें निर्माण करना है। सुख सुविधाओं को छोड़कर इस वर्ग में कार्यकर्ता बनने हेतु प्रशिक्षण लेने के लियें हम इस वर्ग में आये हैं। श्री सिसौदिया ने आगे कहा कि हिन्दू संस्कृति क्या है हमारी भारतीय संस्कृति विविधता में एकता का दर्शन कराती है, कई आक्रमणों को झेलकर भी हम आज जीवित है। अनेकता में एकता का दर्शन भारतीय संस्कृति का मूल्य है। हमारी संस्कृति नीर्जिव वस्तुओं को भी देवता के समान मानती है। मिट्टी, नदी, पहाड़ इत्यादि पूजे जाते है। हम जब कोई नवीन वाहन या यंत्र, उपकरण भी खरीदते है तो भी उसका पूजन करते है। चारधाम यात्राऐं एवं तीर्थ यात्रा अपनत्व का भाव जागरण करने हेतु की जाती है। पूरे विश्व से सतायें एवं भगायें गये लोगों को भारत ने हमेशा संरक्षण दिया है और वह हमारे देश में सुख-चैन से रह भी रहे है। विश्व का कल्याण हो यह हम कहते ही नहीं अपितु आचरण से करके दिखाते हैं। सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव हमेशा हमारे मन में रहता है। इसीलिए कोराना काल के तहत वैक्सीन विदेशों में भी हमने पहुंचाई। आज विश्व में कई देश अपने स्वार्थ सिद्धी के लिए लड़ाई लड़ रहे है। धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष हमारे चार आधार है। हमारे चार आश्रम जिसके आधार पर जीवन चलायमान होता है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं सन्यास 25-25 वर्ष का एक-एक आश्रम होता है। शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा हमारे साधन है। हमारी रीति शोषण की नहीं दोहन की है। केवल पूजा भक्ति तक हमारी संस्कृति सीमित नहीं है यह जीवन जीने की कला है हमें इसका संरक्षण करना है। वर्ग में उपस्थित शिक्षार्थियों से कहा संघ के स्वयंसेवक का होना ही अपने आप में भाग्यशाली पल है। इस वर्ग में कुछ सीखें, सीखने के बाद आप देश, परिवार, समाज, नगर, ग्राम के लिए कुछ कर पाए तभी यह वर्ग सार्थक सिद्ध हो पाएगा, क्योकि संघ का शिक्षा वर्ग कार्यकर्ताओ के निर्माण की साधना है। इस वर्ग का समापन प्रकट कार्यक्रम के साथ 31 मई को सायं 6 बजे सरस्वती विहार प्रांगण संजीत रोड़, मन्दसौर में संपन्न होगा।

कोतवाली के एमडी ड्रग्स प्रकरण में एक और आरोपी पकड़ाया, अब तक 6 गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली के एमडी ड्रग्स प्रकरण में एक और आरोपी गिरफ्तार गिरफ्तार होना रविवार को दर्शाया गया है। 500 ग्राम एमडी और 500 ग्राम अफीम के इस केस में विवेचना के दौरान अब तक 06 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

कोतवाली पुलिस के द्वारा 07 मई को आरोपी इमरान पिता मीरगुल उर्फ बंटी पठान उम्र 25 साल निवासी ग्राम दावतखेडी मंदसौर के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 500 ग्राम एमडी व 500 अफीम जप्त की थी। उक्त प्रकरण में आरोपी इमरान पठान से प्रारंभिक पूछताछ की जाकर आरोपी का 07 दिवस का पुलिस रिमांड पुलिस के द्वारा प्राप्त किया गया था। उक्त प्रकरण में आरोपी इमरान से पूछताछ के दौरान घटना से संबधित अन्य आरोपियों के बारे मे जानकारी दी थी। जानकारी अनुसार प्रकरण में पुलिस के द्वारा पूर्व में अनेक आरोपियों की भूमिका के संबध में जानकारी देते हुये अपराध में उनकी संलिप्तता की जानकारी दी थी। जिस पर कोतवाली पुलिस द्वारा 04 अन्य आरोपियों 01-महावीर पिता रामसिह चोहान निवासी शनि विहार कोलोनी, 02-सादिक पिता शाकिर गढवी मुल्तानी निवासी नरसिहपुरा मंदसौर, 03- सलमान पिता अनवर शाह निवासी श्रृंगार गली, 04- शाकिर उर्फ चेला पिता शब्बीर उर्फ बाबु खा मेवाती साल निवासी मदारपुरा चांदनी चौक मंदसौर को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था, जिन्हें जेल भेजा गया। उक्त प्रकरण में मुख्य आरोपी से की गई पूछताछ के क्रम में कोतवाली पुलिस दवारा कार्यवाही करते हुये आरोपी असलम हुसैन पिता अख्तर हुसैन उम्र 43 साल निवासी खिलचीपुरा मंदसौर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जिसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। उक्त प्रकरण में अन्य अनेक आरोपी है, जिनकी भी गिरफ्तारी किया जाना शेष है, अनुसंधान जारी है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ थाना निरीक्षक कोतवाली व शहर कोतवाली मंदसौर की पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

सुवासरा तहसील के ग्राम देवरिया विजय में आयुष्मान आरोग्य शिविर सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय आयुष्मान आरोग्य अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजन सुवासरा तहसील के ग्राम देवरिया विजय में किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक वर्ग, विशेषकर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना एवं टीबी (क्षय रोग) जैसी गंभीर बीमारी की समय पर पहचान करना रहा।

शिविर के दौरान टीबी जागरूकता अभियान अंतर्गत उपस्थित ग्रामीणों को टीबी शपथ दिलाई गई। ब्लॉक सीतामऊ के सुवासरा यूनिट के सीएचओ शिवसिंह भाटी द्वारा ग्राम देवरिया विजय के ग्रामीणों को टीबी रोग के प्रति जागरूक करते हुए इसके प्रमुख लक्षणों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि लगातार कई दिनों तक खांसी आना, भूख न लगना, वजन में कमी होना, रात में पसीना आना तथा बुखार बने रहना टीबी के संभावित लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि टीबी एक पूरी तरह से उपचार योग्य बीमारी है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। बलगम जांच में पॉजिटिव आने पर 6 माह तक नियमित उपचार से मरीज पूर्णतः स्वस्थ हो सकता है। साथ ही शासन द्वारा मरीजों को उपचार अवधि के दौरान प्रति माह 1000 रुपये की पोषण सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की जाती है। शिविर में आए नागरिकों की व्यापक स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें टीबी स्क्रीनिंग हेतु एक्स-रे के माध्यम से संदिग्ध एवं पूर्व उपचाररत मरीजों की जांच की गई। इसके अतिरिक्त हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, रक्त शर्करा एवं बीएमआई सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किए गए। शिविर में सभी कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं दी गई।

संजीत में वॉल्टेज समस्या, डीपी पर बढ़े लोड से जल रहे बिजली उपकरण, वार्ड 8 से 12 तक के रहवासी परेशान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ तहसील के संजीत नगर के धनगर मोहल्ले सहित वार्ड क्रमांक 8, 9, 10, 11 और 12 के रहवासी इन दिनों गंभीर बिजली समस्या से जूझ रहे हैं। क्षेत्र में लगी डीपी पर अत्यधिक लोड होने के कारण लगातार लो-वोल्टेज और हाई-वोल्टेज की स्थिति बन रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हालात ऐसे हैं कि कई घरों में टीवी, फ्रिज, कूलर, पंखे और अन्य विद्युत उपकरण खराब हो चुके हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र की डीपी से घरेलू कनेक्शनों के साथ-साथ कुओं के कृषि कनेक्शन भी जुड़े हुए हैं। गर्मी के मौसम में बिजली की खपत बढ़ने से डीपी पर क्षमता से अधिक भार पड़ रहा है। इसके चलते बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित हो रही है और वोल्टेज में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। रहवासियों ने बताया कि कई बार अचानक हाई-वोल्टेज आने से घरों में लगे महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गए हैं, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं लो-वोल्टेज के कारण कूलर, पंखे और मोटरें भी ठीक से नहीं चल पा रही हैं। भीषण गर्मी में बिजली व्यवस्था बिगड़ने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद कर्मचारी मौके पर पहुंचते तो हैं, लेकिन अस्थायी सुधार कर वापस लौट जाते हैं, जिससे समस्या फिर से खड़ी हो जाती है।

मोहल्लेवासियों ने मांग की है कि क्षेत्र में नई क्षमता की डीपी लगाई जाए या वर्तमान डीपी पर बढ़े लोड को कम करने के लिए अलग व्यवस्था की जाए, ताकि बार-बार होने वाली परेशानी से राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो रहवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। स्थानीय रहवासी नाजिम भाई, कल्लू खान, शेरू कल्लू खान, शोएब कल्लू खान सहित अन्य लोगों ने प्रशासन और विद्युत वितरण कंपनी से तत्काल ध्यान देकर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

सीतामऊ पुलिस ने विद्युत मोटर चोर गिरोह का किया खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार, 5 मोटर एवं बाइक जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना पुलिस ने निरीक्षक कमलेश प्रजापति के नेतृत्व में पानी की विद्युत मोटर चोरी का खुलासा कर चार आरोपी गिरफ्तार किए गए है। 5 मोटर जब्त की गई है। एक आरोपी के कब्जे से चोरी की बाइक भी मिली है।

गरोठ हेमलता कुरील व एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के निर्देशन में सम्पत्ती संबंधी अपराधियो की धरपकड के लिए एक विशेष टीम गठीत की गई थी। घटना अनुसार फरियादी सुरेन्द्र बाबु पिता भेरुलाल जनानिवासी महुवी ने हमराह बलवन्त पिता अमृतराम खारोल व घनश्याम पिता गणेशराम खारोल निवासी महुवी ने थाने पर आकर रिपोर्ट किया कि मेरे कुए पर 3 हास पावर की पानी विद्युत मोटर लगा रखी थी जो दिनांक 28.04.26 को पानी का टेकर भरकर घर आ गया था। जब में सुबह 06 बजे पानी का टेकर भरने के लिए गया तो देखा की मोटर का पाईप व रस्सी कटी हुई थी ओर कुए में देखा तो मेरी पानी की मोटर नही दिखी। कोई अज्ञात बदमाश रात्री में कुए से पानी की मोटर चुराकर ले गया। गांव में आसपास के कुए वालो से पूछताछ करते बलवन्त पिता अमृतराम खारोल व घनश्याम पिता गणेशराम खारोल निवासी महुवी ने बताया कि हमारे कुए से भी पानी की मोटरे चोरी हो गई है, जो सबकी शिकायत पर केस रजिस्टर किया गया। इस पर अगली कार्यवाही करते हुए दिनांक 17.05.26 को ग्राम महुवी के संदेही अनील पिता मांगीलाल खरोल से पूछताछ करते बताया कि दिनांक 28.04.26 को मेने व मेरे साथी राजु पिता मांगीलाल खारोल व बबलुसिंह पिता जुझारसिंह राजपुत व ईश्वर पिता हरिराम सुर्यवंशी सभी निवासी महुवी के साथ मिलकर मोटर चुराई थी। जिसे अनिल के कुए के पास नाले के पास झाडियो मे छिपाकर रखी थी। आरोपियो ने पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपियो के कब्जे से 05 पानी की विद्युत मोटरे विधिवत जप्त की गई। पूछताछ में एक आरोपी अनिल खारोल के कब्जे से चोरी की बाइक मिली, जिसे उसने ग्राम महुवी के फरियादी मनोहर सिंह पिता बापू सिंह सौंधीया के घर के सामने चोरी करना कबूला है। बाइक को उसने अपने घर खेत के समीप नाले में छुपा दी थी। उक्त सराहनीय कार्य में निरीक्षक कमलेश प्रजापति थाना प्रभारी थाना सीतामऊ व गठीत टीम का विशेष योगदान रहा।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ महिला कांग्रेस का हल्लाबोल, पेट्रोल पंप पर किया जोरदार प्रदर्शन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में महिला कांग्रेस ने रविवार को शहर में जोरदार प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष आशा सांभर और जिला प्रभारी यासमीन शेरानी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और महिलाओं ने गांधी भवन से रैली निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई विजय टॉकीज चौराहा पहुंची और वहां से दशहरा मैदान के सामने स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचकर प्रदर्शन में बदल गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल और गैस के बढ़ते दामों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा और कीमतें कम करने की मांग उठाई।

महिला कांग्रेस जिला प्रभारी यासमीन शेरानी ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार आम जनता पर महंगाई का बोझ डाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक तरफ राहत देने के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम बढ़ाकर लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ रही है। रसोई गैस, घरेलू सामान और ईंधन की बढ़ती कीमतों ने घर का बजट बिगाड़ दिया है। सरकार महिलाओं के हितों की बात तो करती है, लेकिन महंगाई कम करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही।

यासमीन शेरानी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम कम नहीं किए गए तो महिला कांग्रेस प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन करेगी।

प्रदर्शन में कांग्रेस जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल चौरसिया, हिदायतुल्ला खान, नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति, सेवादल जिला अध्यक्ष गजेंद्र यादव, विनोद शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ता और कांग्रेसजन मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रेलवे का जागरूकता अभियान, कागज़ रहित और प्लास्टिक मुक्त यात्रा का दिया संदेश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा नीमच एवं उज्जैन रेलवे स्टेशनों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य यात्रियों को जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक बनाना तथा पर्यावरण अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार नीमच रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी प्रशिक्षुओं ने यात्रियों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, पर्यावरण संरक्षण के उपाय एवं डिजिटल टिकट बुकिंग के माध्यम से कागज़ रहित यात्रा के लाभों की जानकारी दी। इस दौरान यात्रियों को रेलवन एवं अन्य ऑनलाइन एप्स के जरिए टिकट बुकिंग, ई-टिकट के उपयोग और कागज़ की बचत के महत्व के बारे में समझाया गया। कार्यक्रम में 62 यात्रियों ने भाग लिया।

उज्जैन रेलवे स्टेशन पर आयोजित अभियान में यात्रियों और वेंडरों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। प्लास्टिक की जगह जूट और कपड़े की थैलियों के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ स्टेशन परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और कचरा नहीं फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान में 15 से अधिक यात्रियों ने सहभागिता की।

मंडल के अन्य स्टेशनों पर भी यात्रियों एवं कर्मचारियों के बीच जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान के दौरान लोगों को दैनिक जीवन में छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलाव अपनाने का संदेश दिया गया, जिसमें डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देना, पुनः प्रयोज्य थैलों का उपयोग करना, कचरा निर्धारित स्थान पर डालना तथा ऊर्जा एवं जल संरक्षण के उपाय शामिल रहे।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अभियानों का उद्देश्य यात्रियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

गरोठ पुलिस की कार्रवाई : पिकअप में सब्जी के नीचे स्कीम से 324 किलो डोडाचूरा जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बलवीर सिंह यादव एवं उनकी पुलिस टीम ने कार्रवाई कर पिकअप में सब्जी के नीचे स्कीम से 324 किलो डोडाचूरा जब्त किया है। इस कार्रवाई को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर अंजाम दिया गया है। आरोपी पर वर्ष 2023 में भी एनडीपीएस का थाने में दर्ज है एवं एक प्रकरण शामगढ़ थाने में 2024 में मारपीट का दर्ज है।

घटना अनुसार सउनि बालमुकुंद परमार को - 17 मई को मुखबीर सूचना मिली। बताया कि सफेद रंग की पिकअप जिसके आगे पीछे आरजे 17 जीबी 2340 नम्बर की प्लेट लगी है, जिसमें पिकअप चालक पिकअप में ऊपर सब्जी भरकर सब्जी के नीचे स्कीम बनाकर अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा लेकर मेलखेडा की तरफ से बर्डिया अमरा होते हुए 8 लेन तरफ जाने वाला है। सूचना विश्वसनीय होने से तुरन्त कार्यवाही करते हुए नारिया बुजुर्ग फंटा बर्डिया अमरा गरोठ मेलखेडा रोड पहुंच नाकाबंदी की गई। जहां नारिया बुजुर्ग फंटा पर नाकाबंदी कर पिकअप के डाले में सब्जी (बैंगन,फुल गोभी,बंद गोभी,भिंडी,करेला) की प्लास्टिक की थैलियों के नीचे स्कीम बनाकर रखे काले रंग के 16 प्लास्टिक के कट्टो से कुल 324 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा मिला, जीस्की कीमत करीबन 6 लाख 49 हजार 500 रूपये आंकी गई है। पिकअप वाहन को जप्त कर आरोपी असरब उर्फ अशरफ पिता ईस्माइल मंसूरी उम्र 26 साल निवासी मेलखेडा थाना शामगढ़ को गिरफ्तार किया गया। वापसी पर आरोपी असरब उर्फ अशरफ के विरूद्ध धारा 8,15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी असरब उर्फ अशरफ से जप्तशुदा मादक पदार्थ डोडाचूरा को लाने ले जाने के संबंध में पूछताछ कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

आस्था में मंदिर में बदमाशों का आतंक ! मंदिर परिसर में जमकर मचाया उत्पात, 10 से ज्यादा लाइटें तोड़ीं, क्षेत्र में भारी आक्रोश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की दड़ौली पंचायत अंतर्गत जंगल क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध अंबामाता मंदिर में असामाजिक तत्वों द्वारा उत्पात मचाने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने मंदिर परिसर में तोड़फोड़ करते हुए धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाई और मंदिर में लगी करीब 10 से अधिक लाइटें तोड़ दीं। घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार अंबामाता मंदिर में कुछ दिन पहले ही भव्य मेले और धार्मिक आयोजनों का आयोजन हुआ था, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर दर्शन किए थे। मेले का समापन 8 मई को हुआ था। इसके बाद 16 मई शनिवार सुबह जब दर्शनार्थी मंदिर पहुंचे तो मंदिर परिसर में लगी कई लाइटें टूटी हुई मिलीं।

मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि असामाजिक तत्वों ने रात के समय मंदिर परिसर में घुसकर लाइटों को नुकसान पहुंचाया । घटना से श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में नाराजगी है। समिति का कहना है कि धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना बेहद गंभीर मामला है और ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई होना जरूरी है।

मंदिर समिति ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाने की बात कही है। साथ ही प्रशासन और पुलिस से मांग की गई है कि मंदिर परिसर और आसपास के जंगल क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ग्रामीणों का कहना है कि धार्मिक स्थलों पर तोड़फोड़ करने वाले असामाजिक तत्वों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए, ताकि क्षेत्र में कानून का डर बना रहे और श्रद्धालुओं की आस्था सुरक्षित रह सके।

करोड़ों साल पुराने इतिहास को संजोए है घुघवा फॉसिल्स पार्क

डिंडोरी /दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले के शहपुरा ब्लॉक में स्थित घुघवा फॉसिल्स पार्क प्रकृति और इतिहास का अद्भुत संगम है। यह ऐसा अनोखा स्थान है, जहाँ करोड़ों वर्ष पुराने पेड़ आज भी पत्थरों के रूप में सुरक्षित हैं और धरती के प्राचीन इतिहास की गवाही देते दिखाई देते हैं। घुघवा फॉसिल्स पार्क में मौजूद जीवाश्म अपने भीतर लगभग 6.5 करोड़ वर्षों का इतिहास समेटे हुए हैं। इन जीवाश्मों की खोज वर्ष 1970 के आसपास हुई, जब स्थानीय ग्रामीणों ने खेतों और जंगलों में कुछ विचित्र पत्थर देखे। इन पत्थरों की बनावट साधारण नहीं थी। इनमें पेड़ों की छाल, तने और वलय स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे। बाद में वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में यह सामने आया कि ये वास्तव में प्राचीन पेड़ों के जीवाश्म हैं, जो उस काल के हैं जब पृथ्वी पर डायनासोरों का अस्तित्व समाप्ति की ओर था।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर में रावतभाटा तहसील के कार्यकर्ताओं ने लिया भाग

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सावलिया जी मै दिनांक 17 मई को हुआ, जिसका समापन 18 मई को होगा। शिविर में प्रत्येक दिन 6 वर्ग आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ नेताओं एवं वक्ताओं द्वारा कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिवस पर चित्तौड़गढ़ सांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, मंत्री गौतम दक, निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद्र कृपलानी, युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह राव तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति, विचारधारा एवं कार्यपद्धति पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया।

आज आयोजित विभिन्न सत्रों में वक्ताओं ने भाजपा का इतिहास, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाएं, कार्य विस्तार, कार्यकर्ता विकास, भाजपा की कार्यपद्धति एवं संगठन सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। शिविर में रावतभाटा तहसील से भाजपा रावतभाटा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र दशोरा, भैंसरोड़गढ़ मंडल अध्यक्ष सुनील जैन, कुण्डाल मंडल अध्यक्ष प्रहलाद मेघवाल, महामंत्री प्रहलाद जाट, कैलाश माहेश्वरी, लाभचंद राठौर, भेरूलाल गुर्जर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण शिविर को संगठनात्मक मजबूती एवं वैचारिक समृद्धि के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए आगामी समय में संगठन हित में और अधिक सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय

संग्रहालय - वह माँ जो बँटे बच्चों को फिर से गोद में ले रही है

बिखरती मानवीय संवेदनाओं और बढ़ती दूरियों के बीच संग्रहालय साझा संस्कृति और इतिहास की सबसे सशक्त आवाज बनकर उभरे हैं। प्रत्येक वर्ष 18 मई को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक चेतना के महत्व को रेखांकित करता है। वर्ष 2026 की विषय-वस्तु ÷संग्रहालय विभाजित विश्व को एकजुट करते हैं÷ आज की सबसे बड़ी आवश्यकता को व्यक्त करती है। युद्ध, सांप्रदायिकता, सांस्कृतिक संघर्ष, आर्थिक असमानता और सामाजिक तनाव से घिरी दुनिया में संग्रहालय ऐसे शांतिपूर्ण केंद्र बन गए हैं, जहाँ विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों के लोग एक-दूसरे को समझते हैं। वे यह संदेश देते हैं कि विविधता मानवता की सबसे बड़ी शक्ति है।

समय बदलता है, पर सभ्यता की पहचान संग्रहालयों में सुरक्षित रहती है। मानव इतिहास, संस्कृति और विरासत के संरक्षण हेतु अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय परिषद ने वर्ष 1977 में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस की शुरुआत की। आज विश्व के लगभग 95000 संग्रहालय इस संगठन से जुड़े हैं तथा 37000 से अधिक संग्रहालय प्रदर्शनी, संगोष्ठी और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से इसे मनाते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी संग्रहालयों को शांति, सामाजिक समानता और सांस्कृतिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम माना है। संग्रहालय केवल प्राचीन वस्तुओं के संग्रह नहीं, बल्कि इतिहास और समाज को जोड़ने वाले जीवंत ज्ञान-केंद्र हैं।

वैज्ञानिक प्रगति और आधुनिक तकनीक के शिखर पर पहुँचा विश्व आज भी सामाजिक विभाजन, युद्ध और कट्टरता की आग में घिरा दिखाई देता है। नस्लीय भेदभाव, धार्मिक उन्माद और राजनीतिक संघर्षों ने मानवता को गहरे संकट में डाल दिया है, जिससे करोड़ों लोग हिंसा और विस्थापन का जीवन जीने को विवश हैं। ऐसे समय में संग्रहालय मानवता के बीच संवाद, समझ और सहअस्तित्व के सशक्त माध्यम बनकर उभरते हैं। किसी अन्य देश या समुदाय की कला, परंपरा और जीवन शैली को निकट से देखकर लोगों के मन में सम्मान और संवेदनशीलता विकसित होती है। संग्रहालय यह संदेश देते हैं कि प्रत्येक संस्कृति मानव सभ्यता की अमूल्य धरोहर है तथा भिन्नताओं के बावजूद मानवता की मूल भावनाएँ सर्वत्र समान हैं।

विश्व के महान संग्रहालय मानव सभ्यता की साझा विरासत के जीवंत प्रतीक हैं। फ्रांस का लौवर संग्रहालय विश्व का सर्वाधिक देखा जाने वाला संग्रहालय है, जहाँ प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख से अधिक पर्यटक पहुँचते हैं। ब्रिटेन का ब्रिटिश संग्रहालय, अमेरिका का मेट्रोपॉलिटन संग्रहालय तथा रूस का हर्मिटेज संग्रहालय विश्व के विभिन्न सभ्यताओं की अमूल्य धरोहरों को संजोए हुए हैं। यहाँ मिस्र की ममियाँ, भारतीय मूर्तियाँ, यूनानी प्रतिमाएँ, चीनी चित्रकला और अफ्रीकी कलाकृतियाँ एक साथ दिखाई देती हैं। इन्हें देखकर अनुभव होता है कि मानव सभ्यता का निर्माण संघर्ष से नहीं, बल्कि संस्कृति, सहयोग और आदान-प्रदान से हुआ है। संग्रहालय सीमाओं से ऊपर उठकर विश्वबंधुत्व और मानव एकता का संदेश देते हैं।

सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोए संग्रहालय भारत की सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक हैं। नई दिल्ली का राष्ट्रीय संग्रहालय, कोलकाता का भारतीय संग्रहालय, मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय और भोपाल का जनजातीय संग्रहालय भारत की बहुरंगी संस्कृति को सजीव रूप देते हैं। इन संग्रहालयों में सिंधु घाटी सभ्यता की धरोहरें, बौद्ध कला, मुगल चित्रकला, स्वतंत्रता संग्राम और जनजातीय जीवन की अनमोल झलक सुरक्षित है। देशभर में एक हजार से अधिक संग्रहालय हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी को इतिहास, परंपरा और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ रहे हैं। यही धरोहर भारत की विविधता में एकता की वास्तविक पहचान है।

डिजिटल युग ने संग्रहालयों की पहचान बदल दी है। अब इतिहास और संस्कृति केवल भवनों तक सीमित नहीं, बल्कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर तक पहुँच रहे हैं। वर्चुअल भ्रमण, संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता जैसी तकनीकों ने संग्रहालयों को अधिक जीवंत और ज्ञानवर्धक बना दिया है। कोविड महामारी के दौरान लाखों विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं ने घर बैठे विश्वप्रसिद्ध संग्रहालयों का अवलोकन किया। आज ग्रामीण क्षेत्र का विद्यार्थी भी वैश्विक सांस्कृतिक धरोहरों से जुड़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकें आगंतुकों को रुचि अनुसार जानकारी देकर संग्रहालयों को आधुनिक ज्ञान-केंद्र बना रही हैं।

संग्रहालय आज समाज में जागरूकता और सहभागिता के प्रभावशाली केंद्र बन चुके हैं। वे पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, आदिवासी अधिकार, जलवायु परिवर्तन और सांस्कृतिक पहचान जैसे विषयों पर जनचेतना फैला रहे हैं।

योग द्वारा रचित पोषित व संवर्धित है भारतीय संस्कृति

प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक योग की पद्धति में निरंतर नए आविष्कार, परिवर्तन और मानव उत्थान के प्रयास होते रहे हैं। किंतु यदि हम यह जानना चाहें कि योग का भारतीय संस्कृति से क्या संबंध है, तो स्पष्ट होता है कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार ही योग है। सहजयोग की संस्थापक श्री माताजी निर्मला देवी जी ने योग और भारतीय संस्कृति के विषय में अत्यंत गहन एवं व्यापक विचार प्रस्तुत किए हैं।

भारतीय संस्कृति सदैव विश्वशांति की उद्घोषक रही है। परंतु यह शांति बाहर से प्राप्त नहीं हुई, बल्कि भारतीय ऋषियों और संतों ने उसे अपने भीतर खोजा। जब मनुष्य अपने अंतर्मन में शांति का अनुभव करता है, तभी वह विश्व में शांति का संदेश दे सकता है। यही योग की वास्तविक परंपरा है – शरीर, मन और बुद्धि से आगे बढ़कर आत्मा तक पहुँचना और आत्मिक शांति का अनुभव करना।

जो व्यक्ति स्वयं आक्रोश, आवेश और अशांति से भरा हो, वह विश्वशांति का वाहक नहीं बन सकता। शांति का सच्चा दूत वही है जो जोड़ने की बात करे, एकात्मता का संदेश दे और मानवता को प्रेम तथा करुणा से जोड़ सके। यही कारण है कि योग भारतीय संस्कृति के कण-कण में रचा-बसा है।

करुणा भारतीय संस्कृति का श्रृंगार है। योग मनुष्य को समर्पण सिखाता है, अहंकार से ऊपर उठना सिखाता है तथा द्वेष और संघर्ष की भावनाओं पर विजय प्राप्त करना सिखाता है। इसमें मधुरता और संतुलन का विशेष महत्व है। यदि हमारा आचरण मधुर, शांतिपूर्ण और प्रेमपूर्ण होगा, तभी हम विश्वशांति के वास्तविक उद्घोषक बन सकेंगे।

ज्ञान प्राप्ति के साथ मनुष्य का मस्तिष्क प्रखर तो हो जाता है, किंतु अनेक बार वही प्रखरता अहंकार को जन्म देती है। बाहरी उपलब्धियों की निरंतर खोज मनुष्य को भीतर से रिक्त कर देती है। योग इसी प्रगल्भ बुद्धि को बाहरी संसार से हटाकर भीतर की ओर उन्मुख करता है और आत्मसाक्षात्कार की जीवंत अनुभूति प्रदान करता है।

सहजयोग इसी आत्मसाक्षात्कार की एक सरल, सहज और प्रभावशाली पद्धति है, जिसे ने संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए विकसित किया। सहजयोग की छोटी-छोटी प्रार्थनाएँ और ध्यान की विधियाँ मानव मन को बुद्धि के अहंकार से हटाकर करुणा, मधुरता और आत्मचेतना की ओर ले जाती हैं। यह चित्त को आत्मा में सहज रूप से स्थापित करने का सुंदर माध्यम है। सहजयोग की विशेषता यह है कि मात्र 10 से 15 मिनट में ध्यान की अवस्था का अनुभव संभव हो जाता है। आधुनिक युग में, जहाँ मनुष्य कम समय में अधिक प्राप्त करना चाहता है, वहाँ सहजयोग आत्मिक शांति और आंतरिक संतुलन पाने का अत्यंत सरल, प्रभावी और दिव्य मार्ग बनकर उभरता है।

माँ की भाषा, देश की भाषा, दुनिया की भाषा: नई शिक्षा दिशा

किसी भी राष्ट्र की दिशा उसकी शिक्षा तय करती है। इसी सोच से सीबीएसई ने 1 जुलाई 2026 से कक्षा 9 में तीन भाषा फॉर्मूला (आर-1, आर-2, आर-3) अनिवार्य किया है। एनईपी 2020 और एनसीएफ-एसई 2023 के अनुसार हर छात्र के लिए कम से कम दो भारतीय भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा। तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं होगी, मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा। निर्णय के बाद देशभर में बहस हुई। कुछ ने इसे सुधार कहा, कई ने इसे अतिरिक्त बोझ माना। कक्षा 9 पहले ही प्रतियोगिता और बोर्ड तैयारी का कठिन चरण है। ऐसे में तीन भाषाएं, एआई शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और गणित-विज्ञान के दो स्तर चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। फिर भी हर बड़ा परिवर्तन शुरुआत में कठिन लगता है, पर उसका प्रभाव भविष्य को मजबूत बनाता है।

भाषा केवल संवाद नहीं, मस्तिष्क विकास की आधारशिला है। शोध बताते हैं कि बहुभाषी छात्र तेज स्मरण, मजबूत तर्क और बेहतर विश्लेषण क्षमता रखते हैं। उनकी समस्या समाधान क्षमता अधिक प्रभावी होती है। भाषा सोच को दिशा देती है, इसलिए कई भाषाएं सीखने से कल्पनाशक्ति और निर्णय क्षमता बढ़ती है। यूनेस्को मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देता है, क्योंकि बच्चा अपनी भाषा में ज्ञान को सरलता से समझता है। भारत जैसे बहुभाषी देश में भाषाई विविधता कमजोरी नहीं, बल्कि शक्ति है। यदि विद्यार्थी केवल एक भाषा तक सीमित रहे, तो वह संस्कृति और समाज की व्यापक समझ से वंचित रहेगा। तीन भाषा फॉर्मूला छात्रों को उनकी जड़ों से जोड़ते हुए उन्हें वैश्विक स्तर पर सक्षम बनाने का प्रयास है।

नई नीति का मुख्य प्रश्न इसके चरणबद्ध लागू होने को लेकर है। कई लोग इसे निचली कक्षाओं तक सीमित रखना चाहते थे। लेकिन शिक्षा सुधारों में देरी परिवर्तन रोक देती है। ÷अगले बैच÷ का इंतजार सुधारों को निष्क्रिय कर देता है। आज का कक्षा 9 छात्र अगले 8ङ्क10 वर्षों में उच्च शिक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बनेगा। यदि अभी बहुभाषिक आधार नहीं मिला, तो अवसर सीमित हो सकते हैं। 1968 की तीन भाषा नीति इसका उदाहरण है, जो क्रियान्वयन के अभाव में दस्तावेजों तक सीमित रह गई। इसलिए सीबीएसई इसे घोषणा नहीं, समयबद्ध क्रियान्वयन बना रहा है। ओएसिस पोर्टल पर भाषा विकल्प अद्यतन अनिवार्य किया गया है।

नीति के साथ छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की चिंताएं भी जुड़ी हैं। विद्यार्थी पहले से ही भारी पाठ्यक्रम, कोचिंग दबाव और प्रतिस्पर्धा से जूझ रहे हैं। बढ़ता मानसिक तनाव स्थिति को और कठिन बनाता है। ऐसे में तीन भाषाओं का अतिरिक्त भार कई परिवारों के लिए चिंता है। गैर-हिंदी राज्यों के छात्रों के लिए नई भाषा सीखना कठिन हो सकता है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए चुनौती बढ़ जाती है। कुछ अभिभावकों को आशंका है कि विदेशी भाषाओं की जगह क्षेत्रीय भाषाओं या संस्कृत पर जोर देने से वैश्विक अवसर सीमित हो सकते हैं। यदि स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षक और संसाधन नहीं मिले, तो यह सुधार दबाव बन सकता है। इसलिए इसकी सफलता संतुलित क्रियान्वयन पर निर्भर है। चिंताओं के बीच सीबीएसई ने नीति को संतुलित करने के लिए राहतें दी हैं। सबसे बड़ी राहत यह है कि तीसरी भाषा में बोर्ड परीक्षा नहीं होगी, जिससे अंक दबाव कम रहेगा। उद्देश्य अंक आधारित प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भाषा सीखने की सहज प्रक्रिया है। संक्रमण व्यवस्था में कक्षा 6 की एनसीईआरटी पुस्तकें और स्थानीय साहित्य उपयोग की अनुमति दी गई है, ताकि सीखना सरल हो। विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों और विदेश स्थित सीबीएसई स्कूलों को छूट दी गई है। नीति चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही है। सीबीएसई चेयरमैन राहुल सिंह के अनुसार आर-3 की शुरुआत कक्षा 6 से हो रही है और पूर्ण क्रियान्वयन 2030ङ्क31 तक होगा। इससे स्पष्ट है कि बदलाव योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल भाषा नीति नहीं, बल्कि शिक्षा की सोच का पुनर्निर्माण है। सीबीएसई का उद्देश्य रट्टा प्रणाली से हटकर व्यावहारिक और समग्र विकास को बढ़ावा देना है। एआई शिक्षा, कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और गणित-विज्ञान के दो स्तर इसी बदलाव का हिस्सा हैं। बदलती दुनिया में केवल याद करने वाला छात्र पर्याप्त नहीं है। उसे तकनीकी समझ के साथ संवाद कौशल, सांस्कृतिक बोध और बहुभाषिक क्षमता भी चाहिए। भाषा सभी विषयों की नींव है–मजबूत भाषाई आधार विज्ञान, गणित, इतिहास और तकनीक की समझ को गहरा करता है। बहुभाषिक विद्यार्थी विभिन्न समाजों से बेहतर संवाद कर पाते हैं। इसलिए तीन भाषा फॉर्मूला केवल शिक्षा नहीं, बल्कि सोच को विस्तृत करने की दिशा है।

हर बड़े बदलाव के साथ असहमति और भ्रम स्वाभाविक है, और नई शिक्षा नीति पर भी यही स्थिति है। पर आज की वैश्विक व्यवस्था में केवल एक भाषा और सीमित कौशल पर्याप्त नहीं रहे। दुनिया उन युवाओं को महत्व दे रही है जो तकनीक के साथ बहुभाषिकता और सांस्कृतिक समझ रखते हैं। भारत की युवा शक्ति उसकी सबसे बड़ी संपदा है, लेकिन बिना समयानुकूल शिक्षा सुधार के यह शक्ति अवसर खो सकती है। इसलिए केवल आलोचना नहीं, समाधान जरूरी है। सरकार को शिक्षक प्रशिक्षण, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और संसाधनों पर ध्यान देना होगा। विद्यालयों को पढ़ाई को दबाव नहीं, बल्कि सरल और रुचिकर बनाना चाहिए।

हर बड़ा बदलाव शुरुआत में प्रश्न उठाता है, पर वही आगे चलकर दिशा बदल देता है। तीन भाषा फॉर्मूला को केवल बोझ मानना उचित नहीं है। यह नीति आने वाली पीढ़ी को अधिक सक्षम और आत्मविश्वासी बनाने का प्रयास है। चुनौतियाँ रहेंगी, लेकिन सुधार हमेशा कठिन परिस्थितियों में ही सफल होते हैं। यदि अभिभावक, शिक्षक, विद्यालय और नीति-निर्माता मिलकर प्रयास करें, तो यह व्यवस्था नए अवसर दे सकती है। भविष्य में वही विद्यार्थी आगे बढ़ेंगे जो अनेक भाषाओं में सोच सकें, विविध संस्कृतियों को समझ सकें और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। इसलिए यह तीन भाषा फॉर्मूला केवल आज की शिक्षा नीति नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की मजबूत बौद्धिक और सांस्कृतिक नींव है।

-प्रो. आरके जैन

नशा एक भीषण महामारी, इसे जड़ से खत्म करना होगा

नशा मानव जीवन की उन कमजोरियों में से एक है, जिसने युगोंङ्क्युगों से व्यक्ति, परिवार और समाज को भीतर से क्षीण किया है। यह केवल आधुनिक समय की समस्या नहीं है, बल्कि इसके बीज पौराणिक काल तक फैले हुए दिखाई देते हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय पौराणिक परंपरा ने नशे को कभी जीवनङ्कमूल्य नहीं माना, बल्कि उसे पतन का कारण बताया और आत्मसंयम को श्रेष्ठ गुण के रूप में प्रतिष्ठित किया।

पौराणिक काल में नशे का उल्लेख प्रतीकात्मक और सीमित रूप में मिलता है। देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन से प्राप्त 'सुरा' और 'सोम' का प्रसंग प्रसिद्ध है। किंतु यह समझना आवश्यक है कि सोम कोई सामान्य नशीला पेय नहीं था, बल्कि वह यज्ञीय और औषधीय प्रयोजनों से जुड़ा दिव्य तत्व था, जिसका प्रयोग केवल विशेष अवसरों पर और संयमित रूप में होता था। इसके विपरीत, जब सुरा का प्रयोग असंयम और भोग के लिए हुआ, तो उसका परिणाम विनाशकारी सिद्ध हुआ। पुराणों में असुरों का पतन अक्सर उनकी भोगवादी प्रवृत्ति और मद्यपान से जोड़ा गया है, जो यह संकेत देता है कि नशा विवेक और मर्यादा के क्षय का कारण बनता है।

महाभारत में यदुवंश का विनाश नशे के दुष्परिणामों का सबसे सशक्त उदाहरण है। द्वारका में यादवों के बीच मद्यपान से उत्पन्न उन्माद ने उन्हें आपस में ही विनाश की ओर धकेल दिया। यह प्रसंग स्पष्ट संदेश देता है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे वंश और समाज को नष्ट कर सकता है। रामायण में भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन पूर्ण संयम और आत्मनियंत्रण का आदर्श है। वहाँ नशा कहीं भी आदर्श जीवन का अंग नहीं बनता, बल्कि त्याग, तप और संयम को ही श्रेष्ठ माना गया है।

बौद्ध और जैन परंपराओं ने तो नशे के विरुद्ध और भी स्पष्ट रुख अपनाया। भगवान बुद्ध के पंचशील में नशा न करने की प्रतिज्ञा आत्मिक जागरण की अनिवार्य शर्त है। महावीर स्वामी ने इंद्रिय संयम को मोक्ष का द्वार बताया। इन सभी परंपराओं का मूल संदेश यही है कि नशा मनुष्य को उसके लक्ष्य से भटका देता है और आत्मविकास के मार्ग में बाधा बनता है।

आज के समय में नशे की समस्या कहीं अधिक विकराल रूप ले चुकी है। शराब, तंबाकू, गुटखा, अफीम और सिंथेटिक ड्रग्स ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया है, विशेषकर युवा पीढ़ी को। नशा आज केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि संगठित अपराध, बेरोजगारी, पारिवारिक विघटन और मानसिक रोगों का कारण बन चुका है। इसका प्रभाव राष्ट्र की उत्पादकता और सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ता है।

नशे के विरुद्ध प्रभावी संघर्ष के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। सबसे पहले, सामाजिक चेतना का निर्माण करना होगा। पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया जा सकता है कि नशा सदैव पतन का कारण रहा है।

-संजीव ठाकुर

महिलाओं के सपनों को कैद नहीं किया जा सकता

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी केवल एक कानूनी अवलोकन नहीं है, बल्कि भारतीय समाज की उस गहरी मानसिकता को चुनौती देने वाला ऐतिहासिक संदेश है जिसमें विवाह के बाद महिला की पहचान को अक्सर उसके पति, परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित कर दिया जाता है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी महिला से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने करियर, महत्वाकांक्षाओं और सपनों का त्याग कर केवल आज्ञाकारी पत्नी बनकर रहे। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत की महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका, सेना, खेल और व्यापार जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, लेकिन इसके बावजूद समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी यह मानता है कि विवाह के बाद महिला की प्राथमिक जिम्मेदारी केवल घर और परिवार तक सीमित हो जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों की पुनर्पुष्टि नहीं करती, बल्कि आधुनिक भारत में समानता, गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा को भी मजबूत करती है।

भारतीय समाज लंबे समय तक पितृसत्तात्मक संरचना से संचालित रहा है। इस व्यवस्था में पुरुष को परिवार का निर्णयकर्ता और आर्थिक केंद्र माना गया, जबकि महिला को त्याग, सहनशीलता और समर्पण का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया गया। बचपन से ही लड़कियों को यह सिखाया जाता रहा कि विवाह ही उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य है और विवाह के बाद उन्हें पति तथा परिवार की इच्छाओं के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। यही कारण है कि आज भी अनेक परिवारों में लड़कियों की शिक्षा को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता जितनी लड़कों की। यदि कोई महिला अत्यधिक महत्वाकांक्षी हो, करियर को प्राथमिकता दे या अपने जीवन के फैसले स्वयं लेना चाहे, तो उसे कई बार परिवार विरोधी या अत्यधिक आधुनिक कहकर आलोचना का सामना करना पड़ता है। यह मानसिकता केवल महिलाओं के अधिकारों का हनन नहीं करती, बल्कि समाज की प्रगति को भी सीमित करती है।

विवाह के बाद महिलाओं से करियर छोड़ने या समझौता करने की अपेक्षा भारतीय समाज में सामान्य मानी जाती रही है। यदि पति की नौकरी के कारण शहर बदलना पड़े, तो पत्नी से उम्मीद की जाती है कि वह बिना प्रश्न किए अपना करियर छोड़ दे। यदि परिवार और नौकरी के बीच संतुलन कठिन हो, तो त्याग की जिम्मेदारी अक्सर महिला पर ही डाली जाती है। मातृत्व के बाद महिलाओं पर घरेलू जिम्मेदारियों का इतना अधिक बोझ डाल दिया जाता है कि लाखों महिलाएं अपनी योग्यता और प्रतिभा के बावजूद नौकरी छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर अन्याय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय विकास के लिए भी नुकसानदायक है। एक ऐसा देश जो अपनी आधी आबादी की प्रतिभा का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाता, वह कभी भी अपनी संपूर्ण क्षमता तक नहीं पहुंच सकता।

सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी भारतीय संविधान की मूल भावना को भी मजबूत करती है। संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है और अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। किसी महिला से यह अपेक्षा करना कि वह केवल इसलिए अपने सपनों और करियर का त्याग कर दे क्योंकि वह विवाहित है, इन संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि विवाह किसी महिला की स्वतंत्र पहचान समाप्त करने का माध्यम नहीं हो सकता। पत्नी कोई अधीनस्थ व्यक्ति नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक है।

आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष से लेकर युद्धक विमान तक, न्यायपालिका से लेकर स्टार्टअप जगत तक, महिलाएं अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। पीवी सिंधु, मीराबाई चानू, साइना नेहवाल, फाल्गुनी नायर, निर्मला सीतारमण, गीता गोपीनाथ और अनेक अन्य महिलाओं ने यह सिद्ध किया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इन उपलब्धियों के बावजूद समाज में महिलाओं की भूमिका को लेकर पारंपरिक सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। आज भी अनेक शिक्षित परिवारों में यह माना जाता है कि पत्नी की सफलता पति से अधिक नहीं होनी चाहिए। कई बार महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को पुरुष अहंकार के लिए चुनौती के रूप में देखा जाता है। यही कारण है कि कार्यस्थलों पर लैंगिक भेदभाव, वेतन असमानता और मानसिक दबाव जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं। महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती हैं, तब वे अपने निर्णय अधिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ ले पाती हैं। आर्थिक स्वतंत्रता उन्हें घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न और असमान व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने की शक्ति भी देती है। इसलिए करियर केवल आय अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। यदि किसी महिला को विवाह के नाम पर अपने करियर का त्याग करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो वास्तव में उसकी स्वतंत्रता को सीमित किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी सोच को अस्वीकार करती है और यह स्पष्ट करती है कि महिला का करियर कोई शौक नहीं, बल्कि उसका संवैधानिक और मानवीय अधिकार है।

हालांकि केवल न्यायिक टिप्पणियां समाज में पूर्ण परिवर्तन नहीं ला सकतीं। वास्तविक बदलाव तब आएगा जब परिवारों की सोच बदलेगी। आज भी घरों में घरेलू कार्यों और बच्चों की परवरिश की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं पर डाल दी जाती है। पुरुषों की घरेलू भागीदारी सीमित रहती है, जबकि कामकाजी महिलाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे नौकरी के साथ-साथ घर की हर जिम्मेदारी भी निभाएं। यही दोहरा बोझ महिलाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। यदि पति-पत्नी घरेलू जिम्मेदारियों को समान रूप से साझा करें, तो महिलाएं बिना अपराधबोध के अपने करियर और सपनों को आगे बढ़ा सकती हैं। आधुनिक विवाह का आधार समानता, सहयोग और पारस्परिक सम्मान होना चाहिए, न कि नियंत्रण और अधीनता।

समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता का विरोध अक्सर संस्कृति और परंपरा के नाम पर किया जाता है। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि कोई भी संस्कृति तभी जीवंत और प्रगतिशील मानी जाती है जब वह अपने नागरिकों को समान अवसर और सम्मान प्रदान करे। यदि परंपराओं के नाम पर महिलाओं को दबाया जाए, उनके सपनों को सीमित किया जाए और उनकी स्वतंत्रता पर नियंत्रण रखा जाए, तो वह संस्कृति नहीं बल्कि असमानता की व्यवस्था बन जाती है। भारतीय सभ्यता में नारी शक्ति को हमेशा सम्मान दिया गया है। देवी सरस्वती को ज्ञान, लक्ष्मी को समृद्धि और दुर्गा को शक्ति का प्रतीक माना गया। लेकिन वास्तविक जीवन में महिलाओं को समान अवसर देने में समाज अक्सर पीछे रह जाता है। यही विरोधाभास आज भी भारतीय समाज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

नई पीढ़ी की महिलाएं अब अपने अधिकारों और सपनों को लेकर अधिक जागरूक हैं। वे विवाह को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानती हैं, लेकिन अपनी पहचान खोकर नहीं। वे ऐसे रिश्ते चाहती हैं जहां सम्मान, स्वतंत्रता और सहयोग हो। डिजिटल युग और शिक्षा के विस्तार ने महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाया है। सोशल मीडिया और वैश्विक संपर्क ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया है कि दुनिया तेजी से बदल रही है और महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। लेकिन दूसरी ओर समाज का एक हिस्सा अब भी पुरानी सोच से बाहर नहीं निकल पाया है। यही कारण है कि महिलाओं की स्वतंत्रता को लेकर कई बार सामाजिक तनाव और संघर्ष देखने को मिलते हैं। ऐसे समय में सर्वोच्च न्यायालय की प्रगतिशील टिप्पणियां समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करती हैं।

भारत में महिला श्रम भागीदारी दर अब भी अपेक्षाकृत कम है। बड़ी संख्या में महिलाएं विवाह और मातृत्व के बाद कार्यक्षेत्र छोड़ देती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है, जहां सामाजिक रूढ़ियां और आर्थिक सीमाएं महिलाओं की स्वतंत्रता को प्रभावित करती हैं। यदि भारत को वास्तव में वैश्विक शक्ति बनना है, तो उसे महिलाओं की प्रतिभा और क्षमता का पूरा उपयोग करना होगा। विश्व बैंक और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि यदि महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी बढ़े, तो भारत की अर्थव्यवस्था को भारी लाभ हो सकता है। इसलिए महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के अवसर देना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक विकास की आवश्यकता भी है।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पुरुषों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश है। महिलाओं की स्वतंत्रता पुरुषों के अधिकारों के खिलाफ नहीं है। समानता का अर्थ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सभी मजबूत होते हैं। एक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी महिला बेहतर निर्णय ले सकती है, बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार दे सकती है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। इसलिए महिलाओं की सफलता को चुनौती नहीं, बल्कि सामूहिक प्रगति के रूप में देखा जाना चाहिए।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि मानसिक स्वतंत्रता के बिना कानूनी अधिकार अधूरे रह जाते हैं। यदि समाज महिलाओं को लगातार अपराधबोध, सामाजिक दबाव और पारिवारिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबाए रखेगा, तो वे पूरी स्वतंत्रता के साथ अपने निर्णय नहीं ले पाएंगी। इसलिए आवश्यकता केवल कानून बदलने की नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने की भी है। स्कूलों, परिवारों और सामाजिक संस्थाओं को बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता और सम्मान का मूल्य सिखाना होगा। पुरुषों को यह समझना होगा कि घरेलू कार्य केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं हैं। महिलाओं को भी यह विश्वास दिलाना होगा कि उनके सपने और महत्वाकांक्षाएं उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितनी किसी पुरुष की।

अंततः सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी आधुनिक भारत के लिए एक नैतिक दिशा-निर्देश की तरह है। यह केवल महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की बात नहीं करती, बल्कि उस समाज की कल्पना प्रस्तुत करती है जहां विवाह समानता और सम्मान का संबंध हो, जहां महिलाओं को अपने सपनों के लिए अपराधबोध महसूस न करना पड़े और जहां किसी भी महिला को अच्छी पत्नी साबित करने के लिए अपनी पहचान का बलिदान न देना पड़े। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी महिलाओं की स्थिति से मापी जाती है। यदि भारत को वास्तव में विकसित, आधुनिक और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनना है, तो उसे अपनी महिलाओं को केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि अवसर, सम्मान और स्वतंत्रता भी देनी होगी। महिलाओं के सपनों को कैद करके कोई समाज आगे नहीं बढ़ सकता। जब भारत की महिलाएं बिना भय, दबाव और भेदभाव के अपने सपनों को जी सकेंगी, तभी सच्चे अर्थों में संविधान में निहित समानता और स्वतंत्रता के आदर्श साकार हो पाएंगे।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

विदेशी मुद्रा बचाने की चुनौती

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण ढाई माह से होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित होने से विश्व में गैस और तेल का जो संकट खड़ा हुआ, वह अब तक जारी है। इसका प्रभाव भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ा है। भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट से बड़े पैमाने पर तेल और गैस की आपूर्ति होती थी। पिछले ढाई माह से इस आपूर्ति में खासी कमी आई है। जैसे-तैसे तेल और गैस से लैस कुछ जहाज होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर भारत आ पा रहे हैं। यह अलग बात है कि अभी तक भारत में पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर कोई गंभीर संकट खड़ा नहीं हुआ। भारत सरकार की इसके लिए सराहना करनी होगी कि उसने तेल-गैस की जो वैश्विक चुनौती खड़ी हुई, उसका सामना बखूबी किया।

जब तमाम देशों ने पेट्रोल और डीजल के दाम होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने के चंद दिनों बाद ही बढ़ा दिए थे, तब भारत ने करीब 75 दिन बाद बढ़ाए और वह भी अन्य देशों की तुलना में बहुत कम। ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि तेल कंपनियों का घाटा बढ़ रहा था। विश्व में जब भी किसी वस्तु की किल्लत होती है तो उसकी कीमतें बढ़ती ही हैं। यदि पश्चिम एशिया संकट सुलझा नहीं तो पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें और बढ़ सकती हैं। इससे आयात बिल बढ़ेगा। इसे देखते हुए ही पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीयों से अपील की कि वे पेट्रोल और डीजल की बचत करें, विदेश यात्राएं कम करें, वर्क फ्राम होम काम करें और कम से कम एक वर्ष तक सोना न खरीदें।

सब जानते हैं कि आम भारतीय सुरक्षित निवेश के रूप में सोना खरीदने को प्राथमिकता देते हैं। इस समय विश्व के किसी देश में लोगों के पास सबसे अधिक सोना है तो वह भारतीयों के पास है। एक आकलन के अनुसार लगभग 40 हजार टन सोना भारतीय घरों में है। चूंकि भारत में सोने का उत्पादन बहुत कम होता है, लिहाजा उसका आयात होता है। पिछले वर्ष भारत ने करीब 72 अरब डालर का सोना खरीदा। डालर के मुकाबले रुपया कमजोर होने से सोने के आयात में विदेशी मुद्रा की खपत कहीं अधिक हो रही है।

बहुत कम भारतीयों की ओर से अपने सोने को गिरवी रखकर बैंकों से पैसा लेने के कारण यह एक तरह से डेड इन्वेस्टमेंट के रूप में ही पड़ा रहता है। भारतीयों में सोना खरीदकर घर में रखने की ललक के पीछे यह माना जाता है कि उनका बैंकिंग व्यवस्था और शेयर बाजार पर अधिक भरोसा नहीं। इससे भी इन्कार नहीं कि कई लोग अपनी दो नंबर की कमाई सोने में खपाते हैं। चूंकि भारत में आम जन का सोने के प्रति विशेष मोह है, इसलिए सरकार को बैंकिंग व्यवस्था और शेयर बाजार में निवेश को लेकर लोगों के भरोसे की कमी के कारणों पर सोचना चाहिए।

विदेशी मुद्रा की सबसे अधिक खपत पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में होती है। इसका कारण अर्थव्यवस्था का तेजी से बढ़ना है, लेकिन तथ्य यह भी है कि भारत में शायद वाहनों का माइलेज सबसे कम होगा। एक लीटर पेट्रोल या डीजल में भारतीय वाहन सबसे कम सफर कर पाते हैं। इसका कारण हमारी सड़कों का आधारभूत ढांचा कमजोर होना और उनके निर्माण की खराब डिजाइनिंग है। रही-सही कसर सड़कों पर अतिक्रमण के चलते लगने वाले जाम से पूरी हो जाती है।

-धनंजय राजौरा

चांदी आयात प्रतिबंध पर जेडीडब्लूयुए ने जताई चिंता, छोटे सराफा व्यापारियों के हितों की सुरक्षा की मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन (जेडीडब्लूयुए) ने भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत महानिदेशालय विदेशी व्यापार (डीजीएफटी) द्वारा जारी नोटिफिकेशन के तहत चांदी (सिल्वर बार्स) के आयात को फ्री श्रेणी से रस्ट्रिक्टड श्रेणी में किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

संगठन अध्यक्ष संजय जैन एवं सचिव संतोष सराफ ने कहा कि विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं आयात संतुलन बनाए रखना सरकार का अधिकार है, किंतु ऐसी नीतियों का प्रतिकूल प्रभाव छोटे एवं पारंपरिक सराफा व्यापारियों, कारीगरों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ना चाहिए। जेडीडब्लूयुए के अनुसार भारत में चांदी केवल व्यापारिक वस्तु नहीं, बल्कि ग्रामीण एवं आदिवासी समाज की सांस्कृतिक, पारंपरिक एवं आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है। विशेष रूप से मध्य भारत, आदिवासी क्षेत्रों एवं ग्रामीण बाजारों में चांदी आभूषणों का व्यापक उपयोग होता है। संगठन का कहना है कि यदि आयात प्रतिबंधों के कारण चांदी की उपलब्धता प्रभावित होती है या कीमतों में असामान्य वृद्धि होती है, तो इसका सीधा असर छोटे ज्वेलर्स, हस्तशिल्प कारीगरों और आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। संगठन ने आशंका जताई कि यदि आयात व्यवस्था केवल बड़े आयातकों एवं कॉर्पोरेट ट्रेडिंग संस्थानों तक सीमित हो गई, तो बाजार में असंतुलन और एकाधिकार जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे छोटे सराफा व्यापारियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर होगी। जेडीडब्लूयुए ने केंद्र सरकार से मांग की है कि छोटे एवं एमएसएमई श्रेणी के सराफा व्यापारियों के लिए अलग सिल्वर इम्पोर्ट कोटा निर्धारित किया जाए तथा छोटे ज्वेलर्स हेतु सरल एवं पारदर्शी अनुमति प्रक्रिया लागू की जाए। साथ ही ग्रामीण, पारंपरिक एवं आदिवासी चांदी आभूषण उद्योग को विशेष संरक्षण देने, बाजार में कॉर्पोरेट मोनोपॉली रोकने के लिए संतुलित आयात वितरण व्यवस्था बनाने तथा नोटिफिकेशन में उल्लेखित पालिसी कंडीशन नं. 7 को सार्वजनिक एवं स्पष्ट करने की मांग भी की गई है। संगठन ने कहा कि वर्तमान में छोटे सराफा व्यापारी पहले से ही जीएसटी अनुपालन, हॉलमार्किंग , बढ़ती लागत, बैंकिंग प्रतिबंधों एवं बाजार मंदी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में यदि कच्चे माल की उपलब्धता प्रभावित होती है और कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सबसे अधिक असर छोटे व्यापारियों एवं कारीगर वर्ग पर पड़ेगा। अंत में जेडीडब्लूयुए ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि छोटे ज्वेलर्स, पारंपरिक कारीगरों एवं ग्रामीण सराफा उद्योग के हितों की रक्षा के लिए तत्काल संवाद प्रक्रिया प्रारंभ कर व्यावहारिक समाधान निकाला जाए।

गबिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजों से सावधान रहें : मंत्री श्री तोमर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेस भुगतान के लिये कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सएप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिए किसी निजी मोबाईल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/ व्हाट्सएप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा एसएमएस केवल निर्धारित सेंडर आईडी से ही भेजे जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सएप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ता किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सएप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें।

कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है, जिसमें बिल भुगतान कराने के लिए भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं। इन पर ध्यान नहीं दें। इस प्रकार के फर्जी सायबर जालसाजों से सतर्क और सावधान रहें। साइबर फ्रॉड संबंधित किसी भी घटना की सूचना तत्काल भारत सरकार की हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराएं।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार का किया स्वागत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश शासन के पूर्व राज्य मंत्री प्रदीप अहिरवार के भोपाल से इंदौर जाते समय देवास में अल्प प्रवास के दौरान न्यू देवास गेट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। पूर्व मध्य प्रदेश संयोजक कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग संजय रेकवाल एवं जिला कांग्रेस कमेटी देवास के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत के बाद संगठन की मजबूती तथा अनुसूचित जाति समाज के हितों को लेकर सार्थक चर्चा भी हुई। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष प्रतीक शास्त्री, जयप्रकाश मालवीय, आयन शाहा, डॉ. मुन्ना सरकार, कमल चौहान, फैजान पठान, शाहिद अली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व म.प्र. संयोजक संजय रेकवाल ने कहा कि, भैय्या प्रदीप अहिरवार जी का देवास आगमन हमारे लिए गौरव का विषय है। उनका मार्गदर्शन अनुसूचित जाति समाज और कांग्रेस संगठन को नई मजबूती प्रदान करेगा। बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम सभी कार्यकर्ता संकल्पित हैं।

शाजापुर में मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग का शुभारंभ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग का शुभारंभ रविवार को शाजापुर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, दुपाड़ा रोड परिसर में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांत संघचालक डॉ. प्रकाश शास्त्री, वर्ग सर्वाधिकारी प्रवीण सैनी एवं वर्ग कार्यवाह राधेश्याम पाटीदार ने मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर डॉ. प्रकाश शास्त्री ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग केवल प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रभाव और व्यक्तित्व निर्माण की साधना है। उन्होंने कहा कि 15 दिनों तक परिवार और व्यक्तिगत सुविधाओं से दूर रहकर स्वयंसेवक सामूहिक जीवन, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संगठनात्मक जीवन का अभ्यास करते हैं। वर्ग का उद्देश्य ऐसे कार्यकर्ता तैयार करना है, जो समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते हुए अपने पारिवारिक, सामाजिक और व्यावसायिक दायित्वों का भी प्रमाणिकता के साथ निर्वहन कर सकें।

उन्होंने कहा कि संघ कार्य का मूल मंत्र व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण है। वर्ग में कम साधनों में सामूहिकता के साथ जीवन जीने की प्रक्रिया स्वयंसेवकों में समायोजन, सहनशीलता और सहयोग की भावना विकसित करती है। यहां बौद्धिक चर्चा, शारीरिक प्रशिक्षण, योग, खेल, गीत, समता, नियुद्ध एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों का सर्वांगीण विकास किया जाता है।

संघ शिक्षा वर्ग में मालवा प्रांत के आठ विभागों के 28 जिलों से कुल 233 शिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करने पहुंचे हैं। आगामी 15 दिनों तक चलने वाले इस वर्ग में प्रतिदिन प्रातः से रात्रि तक निर्धारित समयानुसार शारीरिक एवं बौद्धिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। समापन पर आयोजित होने वाले प्रकट कार्यक्रम में शिक्षार्थी अपने प्रशिक्षण, अनुशासन एवं विविध कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

वर्ग की विशेषता यह है कि इसकी संपूर्ण व्यवस्थाएं स्वयं संघ के कार्यकर्ता संभाल रहे हैं। भोजन, आवास, स्वच्छता, चिकित्सा, सुरक्षा, जल प्रबंधन सहित सभी व्यवस्थाओं का दायित्व स्वयंसेवक सेवा भाव से निभा रहे हैं। बिना किसी विशेष सुविधा की अपेक्षा के अनुशासित एवं आत्मीय वातावरण में कार्य करना संघ की कार्यपद्धति और सामूहिक जीवन का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

वर्ग परिसर में वंदे मातरम् के 150 वर्ष एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर आधारित विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई है। प्रदर्शनी का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया। इसमें राष्ट्र जागरण, सेवा, सामाजिक समरसता, ग्राम विकास, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण एवं संगठन विस्तार से जुड़े विभिन्न आयामों को चित्रों और जानकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

दो दिनी पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का आयोजन 16 व 17 मई को किया गया। जहां बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर वक्ताओं से प्रशिक्षण प्राप्त किया। लालघाटी स्थित दुर्गा गार्डन में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में 109 कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति, सेवा कार्यों एवं जनहितकारी योजनाओं पर विस्तृत मार्गदर्शन लिया। प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे, सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी, उच्च शिक्षा मंत्री एवं शुजालपुर विधायक इंदरसिंह परमार, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुलाल जाटव तथा प्रशिक्षण वर्ग के प्रभारी एवं आगर जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष चिंतामणि राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में जिले के पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों एवं पूर्व जिला अध्यक्षों के चित्रों को आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसकी सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने सराहना की। इस कार्यक्रम में जिलेभर से आए पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

6 दिन बाद ही पुलिस ने ढूंढ निकाला चोरी गया ट्रेक्टर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 11 मई की रात को जिले के ग्राम तिलावद से चोरी गए ट्रेक्टर के मामले में बेरछा पुलिस ने सफलता प्राप्त करते हुए चोरी गए वाहन को बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है, जिन्हें न्यायालय से जेल भेज दिया गया है।

बेरछा थाना प्रभारी भरतसिंह किरार ने बताया कि फरियादी जीवन प्रजापति का महिंद्रा कंपनी का ट्रैक्टर (क्रमांक एमपी 42 एसी 1120) ट्रॉली सहित अज्ञात बदमाश ग्राम तिलावद गोविन्द स्थित भेरू महाराज वाले खेत के पास स्थित ईंट भट्टे से चुरा ले गए थे। इस संबंध में 15 मई को थाना बेरछा में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने एक दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और पुराने चोरी के मामलों में शामिल आरोपियों से पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी किया गया ट्रैक्टर-ट्रॉली ग्राम तिलावद गोविन्द और सेतखेड़ी के बीच झाड़ियों में छिपाकर रखा गया है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी रामचरण पिता दयाराम गुर्जर (25) और राहुल पिता बालू गुर्जर (32) दोनों निवासी ग्राम सेतखेड़ी को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी किया गया ट्रैक्टर-ट्राली बरामद कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

रामायण में मिलती है जीने की कला, महाभारत सीखाती है मोह का त्यागः अनुजदास जी महाराज

सूर्या ग्रुप द्वारा आयोजित कथा में दूसरे दिन उमड़ा भक्तों का सैलाब

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रंथ और पुराण हमारे जीवन का आधार हैं। जिनको पढ़कर और सुनकर हमें इस भवसागर से आसानी से पार हो सकते हैं। रामायण जीने की कला सिखाती है और श्रीमद भगवत गीता हमें मोह त्याग करना सिखाती है। जीवन में यह दोनो ही जरूरी है जिन्हें हमें जीवन में उतारना चाहिए।

यह बात मेवाड़ महामंडलेश्वर ब्रह्मलीन स्वामी चेतनदासजी महाराज के परम कृपा पात्र शिष्य 1008 महंत अनुजदासजी महाराज ने शनिवार को रेल्वे मैदान स्टेशन रोड़ पर आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के दौरान उपस्थितजनों के समक्ष प्रदान किए। श्री नित्येश्वर महादेव भागवत कथा समिति एवं सूर्या ग्रुप के तत्वाधान में आयोजित कथा महोत्सव का यह निरंतर सफलतम 15वां वर्ष है। इस वर्ष कथा प्रतिदिन शाम 7.30 से 11 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा के दौरान महंतश्री ने रामायण और गीता का महत्व बताते हुए कहा कि जीवन में भाई कैसा होना चाहिए, पिता कैसा होना चाहिए, पुत्र कैसा होना चाहिए, माता कैसी होनी चाहिए और पत्नी कैसी होनी चाहिए अगर यह सीखना है तो रामायण से सीखना चाहिए और इंसान को सांसारिक मोह का त्याग करके अंतिम समय कैसे बिताना चाहिए चाहिए यह श्री भगवत गीता हमें बताती है। जीवन जीने का सार और अंतिम समय में संसार का त्याग कैसे किया जाए दोनों का रहस्य इन महानग्रंथों में छुपा हुआ है। इस अवसर पर महंत श्रीअनुजदासजी ने जीवन में परमात्मा की कथाओं का महत्व बताते हुए कहा कि सांसारिक जीवन में व्यक्ति ईर्ष्या, राग-द्वेष, अहंकार और क्रोध जैसे विकारों के वशीभूत होकर अपने जीवन के सुख और शांति को नष्ट कर लेता है। ऐसी स्थिति में उसके मन को शांति केवल अध्यात्म मार्ग पर चलकर परमात्मा की भक्ति से ही मिल सकती है। परमात्मा की अलौकिक कथाएं आध्यात्मिक मार्ग का वह नक्शा है जो परमात्मा के निकट पहुंचाने का काम करता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं नगरवासीगण उपस्थित रहे।

पहले दिन से उमड़ रही भक्तों की भीड़- शुक्रवार से कथा का शुभारंभ हुआ और इस दिन भी यहां भक्तों की भारी भीड़ रही जिन्होंने संत श्री के आर्शीवचनों का लाभ लिया। तो शनिवार को भी कथा स्थल पर कथा श्रवण हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालू उपस्थित रहे, जिनकी व्यवस्था सूर्या ग्रुप व आयोजन समिति द्वारा की गई।

कृत्रिम पैरों से रघुवीर के आत्मविश्वास और सपनों को मिली नई उड़ान

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के समग्र कल्याण और उन्हें सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन्हीं में से एक है एडिप योजना, जो दिव्यांगजनों के जीवन में नई रोशनी और आत्मविश्वास का संचार कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंदों को समय पर आवश्यक सहायता मिल रही है।

सीहोर जिले के ग्राम कादराबाद निवासी श्री रघुवीर सिंह के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। जब उन्हें जानकारी मिली कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा सीहोर में विशेष शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों को ऑन द स्पॉट कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएंगे, तो वे निर्धारित समय पर शिविर में पहुंचे। शिविर में उनका पंजीयन किया गया और विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण उपरांत उन्हें वहीं निशुल्क कृत्रिम पैर प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें उपयोग में सुविधा के लिए आरामदायक जूते भी निःशुल्क उपलब्ध कराए गए।

कृत्रिम पैर प्राप्त करने के बाद श्री रघुवीर सिंह के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। उन्होंने कहा कि अब वे पहले की अपेक्षा अधिक सहजता से अपने दैनिक कार्य कर सकेंगे और आत्मनिर्भर जीवन जी पाएंगे। उन्होंने प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में एक नया मोड़ लेकर आई है।

एडिप योजना के माध्यम से शासन न केवल दिव्यांगजनों को सहारा दे रहा है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनके जीवन को नई दिशा दे रहा है। ऐसे प्रयास यह सिद्ध करते हैं कि सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचकर उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण ही संघ का मूल मंत्रः संघचालक

नगर में शुरू हुआ आरएसएस का शिक्षा वर्ग, बड़ी संख्या में शामिल हुए शिक्षार्थी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग का शुभारंभ रविवार को दुपाड़ा मार्ग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में हुआ। वर्ग का उद्घाटन प्रांत संघचालक डॉ. प्रकाश शास्त्री, वर्ग सर्वाधिकारी प्रवीण सोनी और वर्ग कार्यवाह राधेश्याम पाटीदार ने मां भारत के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर डॉ. प्रकाश शास्त्री ने शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ शिक्षा वर्ग केवल प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रभाव और व्यक्तित्व निर्माण की एक साधना है। उन्होंने बताया कि 15 दिनों तक स्वयंसेवक परिवार और व्यक्तिगत सुविधाओं से दूर रहकर सामूहिक जीवन, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संगठनात्मक जीवन का अभ्यास करते हैं। उन्होंने वर्ग का उद्देश्य बताते हुए कहा कि इसका लक्ष्य ऐसे कार्यकर्ता तैयार करना है जो समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते हुए अपने परिवार, व्यवसाय और सामाजिक दायित्वों का भी प्रमाणिकता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण को संघ कार्य का मूल मंत्र बताया। वर्ग में कम साधनों में सामूहिकता के साथ जीवन जीने की प्रक्रिया स्वयंसेवकों में समायोजन, सहनशीलता और सहयोग की भावना विकसित करती है। यहां बौद्धिक चर्चा, शारीरिक प्रशिक्षण, योग, खेल, गीत, समता और नियुद्ध जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों का सर्वांगीण विकास किया जाता है।

28 जिलों से शामिल हुए सैकड़ों शिक्षार्थी, सीख रहे अनुशासन

इस संघ शिक्षा वर्ग में मालवा प्रांत के 8 विभागों के 28 जिलों से कुल 234 शिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करने पहुंचे हैं। आगामी 15 दिनों तक चलने वाले इस वर्ग में प्रतिदिन सुबह से रात तक निर्धारित समयानुसार शारीरिक एवं बौद्धिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। वर्ग के समापन पर होने वाले प्रकट कार्यक्रम में शिक्षार्थी अपने प्रशिक्षण, अनुशासन एवं विविध कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस वर्ग की एक विशेष बात यह है कि इसकी संपूर्ण व्यवस्थाएं स्वयं संघ के कार्यकर्ता ही संभाल रहे हैं। भोजन, आवास, स्वच्छता, चिकित्सा, सुरक्षा, जल प्रबंधन और अन्य सभी व्यवस्थाओं का दायित्व स्वयंसेवकों की ओर से सेवा भाव से निभाया जा रहा है। कार्यकर्ता बिना किसी विशेष सुविधा की अपेक्षा के अनुशासित और आत्मीय वातावरण में कार्य कर रहे हैं, जो संघ की कार्यपद्धति और सामूहिक जीवन का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है।

संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

वर्ग परिसर में वंदे मातरम के 150 वर्ष एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर आधारित विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई है। प्रदर्शनी का उद्घाटन अतिथियों की ओर से किया गया। प्रदर्शनी में राष्ट्र जागरण, सेवा, सामाजिक समरसता, ग्राम विकास, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण एवं संगठन विस्तार से जुड़े विभिन्न आयामों को चित्रों और जानकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

बेसहारा मवेशी को अपना बताकर ले जा रहा था युवक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेसहारा मवेशियों का सहारा बने नगर के गौरक्षकों ने एक बेसहारा गाय को चोरी होने से बचाया, जिन्होंने एक युवक को पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। युवक पहले गाय को अपना बताने लगा लेकिन बाद में बदल गया, जिसके चलते गौरक्षकों ने शक होने पर उससे पूछताछ की और उसने सच कबूल दिया।

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब 12 बजे पचोर निवासी विशाल नाम का युवक सोमवारिया बाजार क्षेत्र से एक गाय को लेकर जा रहा था। लोगों को शक हुआ तो उन्होंने इसकी सूचना गौरक्षक धर्मेन्द्र शर्मा को दी। मौके पर पहुंचे शर्मा ने युवक से गाय ले जाने का कारण पूछा। युवक ने बताया कि यह उसकी गाय है ओर दूध कम दे रही थी, लेकिन उसकी बात में सच्चाई नजर नहीं आ रही थी। इस पर उन्होंने उससे सख्ती से पूछताछ की। तो उसने सच बताते हुए कहा कि वह दूध के लिए इस गाय को अपने साथ ले जा रहा था। इस पर शर्मा ने उससे गाय को छुड़वाया और उसे थाने लेकर पहुंचे। जहां पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि युवक से थाने में पूछताछ की जा रही है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने विदिशा संसदीय क्षेत्र में गेहूं उपार्जन कार्यों की समीक्षा की

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत रबी विपणन वर्ष 2026-27 में जारी गेहूं उपार्जन कार्यों की प्रगति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आज विदिशा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित बैठक में की गई है। उक्त समीक्षात्मक बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संसदीय क्षेत्र के विभिन्न जिलों के विधायक, कलेक्टर, खाद्य विभाग के अधिकारी तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, तौल व्यवस्था, परिवहन, भुगतान प्रक्रिया, बारदानों की उपलब्धता तथा भंडारण संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न जिलों के कलेक्टरों ने अपने-अपने क्षेत्रों में उपार्जन कार्यों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुगम बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की।

वीडियो कांफ्रेंस में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उपार्जन कार्य के दौरान सामने आ रही व्यावहारिक समस्याओं और चुनौतियों को भी साझा किया। कई स्थानों पर बारदानों की उपलब्धता, परिवहन व्यवस्था, स्लॉट बुकिंग तथा किसानों की बढ़ती आवक को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने बारदानो की उपलब्धता व स्लाट बुकिंग की समस्यायों के समाधान हेतु खाघ मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत से चर्चा कर शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा उपार्जन प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता और सुचारु व्यवस्था के साथ संचालित की जाए।

बदनावर जयस द्वारा स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) बदनावर द्वारा 16 मई स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम रेशमगारा में क्रांतिकारी टंट्या भील के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने जयस द्वारा विगत 13 वर्षों में किए गए संघर्षों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जयस ने सर्व आदिवासी समुदाय को एक मंच पर लाकर एकता स्थापित करने का कार्य किया है।

वक्ताओं ने कहा कि जयस ने संवैधानिक अधिकार, पांचवीं अनुसूची, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पलायन, विस्थापन तथा जल-जंगल-जमीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संघर्ष कर आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा की है। साथ ही युवाओं में सामाजिक नेतृत्व विकसित कर समाज को सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का कार्य किया है। कार्यक्रम में बताया गया कि आज जयस की बदौलत डॉ. हीरा अलावा, मोंटू सोलंकी एवं कमलेश डोडियार जैसे जनप्रतिनिधि विधानसभा में आदिवासी समाज की आवाज बुलंद कर रहे हैं। आगामी समय में सदस्यता अभियान गांव-गांव चलाकर संगठन को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर अर्जुन मुनिया (आम्बापाड़ा) द्वारा रक्तदान किए जाने पर संगठन द्वारा पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस पर सर्व सहमति से ओंकार भाभर (रेशमगारा) को बदनावर जयस का कार्यकारी अध्यक्ष एवं मनीष डावर (बोरझड़ी) को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री जगदीश महावी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, जकास), विशेष अतिथि संतोष मुनिया (सरपंच एवं जयस जिला महासचिव), जिला महामंत्री विक्रम भाभर, जयस ज़िला मीडिया प्रभारी अजय डावर, जयस तह अध्यक्ष राहुल गिरवाल, नगर अध्यक्ष राकेश दिया, कोषाध्यक्ष जितेंद्र मुनिया, प्रभारी श्याम ओसारी, सुनील खदेड़ा, कृष्णा गिरवाल, बुवार मकवाना, विष्णु मुनिया, कन्हैया मुनिया, नंदराम पग्गी, प्रभु डोडियार, पप्पू सोरट, सतनारायण डामर, मनीष भाभर, नंदराम भाभर, अरविंद राठौर, राहुल सारेल, लक्ष्मण मुनिया, रमेश मुनिया जीवन मकवाना सहित बड़ी संख्या में युवा एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष श्री ओंकार भाभर ने व्यक्त किया। उक्त जानकारी जयस ज़िला मीडिया प्रभारी अजय डावर द्वारा दी गई ।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन सुचारू रूप से जारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से जारी है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में संचालित 31 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 9,162 किसानों से 4,80,511.1 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है।

उपार्जन एवं परिवहन की स्थिति-जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर एन दिवाकर ने बताया कि जिले मेंकुल उपार्जित मात्रा 4,80,511.1 क्विंटल में से 4,76,970.3 क्विंटल मात्रा परिवहन के लिए तैयार हो चुकी है। कुल 4,56,691.8 क्विंटल गेहूं का परिवहन पूर्ण किया जा चुका है, जो कुल उपार्जन का 96 प्रतिशत है। जिले में 12 उपार्जन केंद्रों पर 100 प्रतिशत परिवहन का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिनमें समिति नेवड़, ध्रुव वेयरहाउस, संस्था चल्दू, वेदांता वेयरहाउस एवं समिति कंजार्डा, माहेश्वरी वेयरहाउस प्रमुख हैं। भुगतान के लिए 97 प्रतिशत प्रकरणों में स्वीकृति पत्रक जारी किए जा चुके हैं।

किसानों को भुगतान की स्थिति- उपार्जित गेहूं के एवज में किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 1,24,21,21,183 एवं स्टेट बोनस के रूप में 1,92,20,443.84, कुल 1,26,13,39,273 की राशि देय* है।इसके विरुद्ध अब तक 1,02,15,72,456 की राशि का भुगतान किसानों के बैंक खातों में किया जा चुका है। जिले में औसत भुगतान 86 प्रतिशत से अधिक है। शेष किसानों को शीघ्र भुगतान की प्रक्रिया सतत जारी है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जिले में उपार्जन, परिवहन एवं भुगतान कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। सभी केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा समय-सीमा में शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जिले में उपार्जन एवं भुगतान की प्रगति प्रदेश में सराहनीय है।

अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के 96 प्रकरणों में कलेक्टर ने लगाया 5.93 करोड़ का अर्थदंड

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के 96 प्रकरणों में दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध 5 करोड़ 93 लाख 54 हजार 190 रूपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है। खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के ये सभी प्रकरण खनिज विभाग द्वारा कलेक्टर न्यायालय में दर्ज कराये गए थे। इनमें से 8 प्रकरण सितम्बर 2025 के पूर्व के तथा 88 प्रकरण 25 सितम्बर 2025 से 11 मई 2026 की अवधि के हैं। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इन मामलों में से केवल एक मामले में ही 40 लाख 80 हजार रूपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। यह प्रकरण अवैध उत्खनन के आरोप में अभिलाष तिवारी एवं अन्य के विरुद्ध जून 2022 में दर्ज कराया गया था। अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण का दोषी पाए जाने पर अधिरोपित अर्थदंड में जमुना प्रसाद पर 28 लाख 12 हजार 500 रूपये, सुंदर साहू एवं अन्य पर 10 लाख 20 हजार रूपये, आकाश यादव पर 8 लाख 8 लाख 82 हजार 190 रूपये, श्रीशपाल पर 6 लाख 49 हजार रुपए, अभिषेक पटेल पर 4 लाख 52 हजार 500 रूपये, अखिलेश पटेल पर 4 लाख 52 हजार 500 रूपये, संजय बर्मन पर 4 लाख 46 हजार रुपए आदी।

जैविक हाट बना किसानों की तरक्की का नया रास्ता

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा शुरू किया गया 'जैविक हाट बाजार' अब किसानों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। शहरवासियों को जहां शुद्ध और रसायन मुक्त सब्जियां मिल रही हैं, वहीं किसान मित्रों की आय में भी लगातार वृद्धि हो रही है।

इसी पहल से जुड़ी एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई है महिला किसान सपना काछी की, जिन्होंने केवल 3 एकड़ भूमि में जैविक खेती कर 6 माह में 1 लाख रुपये से अधिक का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया है।

संघर्ष से सफलता तक का सफर- जबलपुर निवासी सपना काछी लंबे समय से अपने खेत में जैविक खेती कर रही थीं। खेत में मेहनत तो भरपूर होती थी, लेकिन उपज का सही मूल्य नहीं मिलने से आय सीमित रह जाती थी। कई बार बिचौलियों के कारण मेहनत का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था।

लेकिन जिला प्रशासन और कृषि विभाग की पहल पर शुरू हुए 'जैविक हाट' से जुड़ने के बाद सपना काछी की जिंदगी ने नई दिशा पकड़ ली। अब वे हर सप्ताह सीधे ग्राहकों तक अपने खेत की ताजी, शुद्ध और रसायन मुक्त सब्जियां पहुंचा रही हैं।

सपना काछी बताती हैं कि अब उन्हें किसी बिचौलिए की जरूरत नहीं पड़ती और उनकी उपज का उचित मूल्य सीधे उन्हें मिल रहा है।

हर सप्ताह बढ़ रहा मुनाफा- जैविक उत्पादों की गुणवत्ता और शुद्धता के कारण ग्राहकों का भरोसा लगातार बढ़ा है। वर्तमान में सपना काछी को हर सप्ताह लगभग 4 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। पिछले 6 माह में वे 'जैविक हाट' के माध्यम से 1 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर चुकी हैं।

इस अतिरिक्त आय से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि जैविक खेती के प्रति उनका आत्मविश्वास और उत्साह भी कई गुना बढ़ गया है।

बदनावर ब्लॉक कांग्रेस /नगर कांग्रेस की बैठक

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 17मई 2026 को बदनावर ब्लॉक /नगर के कांग्रेस कमेटी द्वारा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजन सिंह पवार पवार/ मुकेश होती के नेतृत्व में मंडलम अध्यक्षों एवं ब्लॉक कांग्रेस /शहर कमेटी के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विधानसभा प्रभारी श्री राकेश अहीर, वरिष्ठ नेता हरिनारायण सिंह जी पवार , श्री पवन जी जैन (स्वतंत्रता सेनानी परिवार) जिला महामंत्री श्री परितोष सिंह राठौर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अभिषेक टल्ला मोदी, सेवादल जिला अध्यक्ष जितेंद्र जोशी, विधायक प्रतिनिधि , निर्मल वर्मा, संदीप महेश्वरी, घनश्याम जाट,प्रकाश निनामा, अशोक भूरिया, मुख्तियार अली, बद्री लाल पाटीदार, पप्पू गांधी, महेश मुकाती, ईस कुरैशी, भेरूलाल वसुनिया,अब्दुल खालिद बादशाह, सेरम भाई, नाजिम भाई, सुरेश राठौड़,धनपाल सिंह सुरेश सिंह पवार, निलेश शर्मा ,राजेश कश्यप,निर्भय सिंह, लाखन सिंह पवार, दुर्लभ धाकड़, सुरेश माली, गोविंद सिंह, रमेश दुबई, पर्वत सिंह, पंकज काबरा, उपस्थित थे सभी वरिष्ठ नेताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार रहने के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यों एवं संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा भी की गई। विधानसभा प्रभारी राकेश अहीर ने सभी कार्यकर्ताओं से अलग-अलग मुलाकात की संचालन विधायक प्रतिनिधि देवपाल सिंह जादव ने किया आभार कैलाश गुप्ता ने माना।

शौर्य और स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती पर निकलेगी भव्य शौर्य यात्रा

प्रथम निमंत्रण चिंतामण गणपति को देकर निमंत्रण बांटने की शुरुआत की

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर शिरोमणि, राष्ट्र गौरव एवं हिंदूवा सूरज महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में बदनावर युवा राजपूत संगठन तहसील बदनावर द्वारा नगर में भव्य शौर्य यात्रा एवं चल समारोह का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर संगठन द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसकी शुरुआत नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों चिंतामण गणेश मंदिर, बाबा बैजनाथ महादेव मंदिर, चैतन्य वीर हनुमान मंदिर एवं बड़ी चौपाटी स्थित महाराणा प्रताप प्रतिमा पर निमंत्रण पत्र अर्पित कर की गई।

युवा राजपूत संगठन के अध्यक्ष महिपाल सिंह चावड़ा एवं संरक्षक डॉ. गोपाल सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बाबा बैजनाथ की पावन नगरी बदनावर में महाराणा प्रताप जयंती गौरव, शौर्य और परंपरा के साथ मनाई जाएगी। 7 जून, रविवार को शाम 4ः30 बजे राजपूत धर्मशाला, माथुर कॉलोनी में राजपूत सरदारों का एकत्रीकरण होगा, जिसके पश्चात शाम 5 बजे भव्य चल समारोह प्रारंभ होगा। यह यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से ढोल, बैंड-बाजों और पारंपरिक उत्साह के साथ निकलेगी। इससे पूर्व बड़ी चौपाटी स्थित महाराणा प्रताप चौक पर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा।

आयोजन के पश्चात स्वरुचि भोज का आयोजन भी रखा गया है। युवा राजपूत संगठन ने समाजजनों से राजपूती वेशभूषा, साफा एवं शस्त्र धारण कर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर शौर्य यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया है।

इस अवसर पर राजेंद्र सिंह पंवार बापू, विजय सिंह पंवार, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कनवासा, आर्यव्रत पत्रकार संघ अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, स्वतंत्र प्रेस क्लब अध्यक्ष मनीष शर्मा, शंभू सिंह खेड़ी, जितेंद्र सिंह सिसोदिया, हनुमंत सिंह, राजेंद्र सिंह खेड़ी, सुरेंद्र सिंह सिसोदिया, जीतू बॉस, गोपाल सिंह सेमलिया, जीवन सिंह सकतोली , दीपक सिंह डोडिया , अरुण सिंह पंवार एवं सुमेर सिंह राठौड़ सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

आज ग्राम दलपतपुरा, में आयोजित होगी रात्रि चौपाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने एवं ग्रामीण समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आज 18 मई 2026 को शाम 5ः00 बजे से ग्राम दलपतपुरा, तहसील जीरन के मिडिल स्कूल प्रांगण में रात्रि चौपाल* का आयोजन किया जा रहा है।

यह जिले की तीसरी रात्रि चौपाल होगी। इसके पहले कोज्या, एवं ग्राम टामोटी में रात्रि चौपाल सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा रात्रि चौपाल में ग्रामीण जनों से सीधी चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करेंगे। इसके लिए संबंधित विभागों को निम्नानुसार दायित्व सौंपे गए हैं-

प्रमुख व्यवस्थाएं-

आधार कैंप- जिला परियोजना समन्वयक, शिक्षा केंद्र द्वारा प्रातः 10ः00 बजे से रात्रि चौपाल समाप्ति तक मिडिल स्कूल दलपतपुरा में 02 मशीनों के साथ आधार कैंप आयोजित किया जाएगा।

हितग्राही मूलक योजनाओं के लिए शिविर - कृषि, महिला एवं बाल विकास, उद्यानिकी, स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा, आदिम जाति कल्याण, खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा सायं 4ः30 बजे से योजनाओं से संबंधित हितग्राही मूलक शिविर लगाया जाएगा।

कार्यक्रम स्थल व्यवस्था- मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत नीमच द्वारा टेंट, लाईट, माईक, साउण्ड सिस्टम, पेयजल, फ्लेक्स बैनर, भोजन व्यवस्था एवं आवेदन लेने की ड्यूटी सुनिश्चित की जाएगी।

विद्युत व्यवस्था- कार्यपालन यंत्री, म.प्र.वि.वि.कं.लि. द्वारा निरन्तर विद्युत प्रवाह एवं जनरेटर की व्यवस्था की जाएगी।

सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर समय पूर्व उपस्थित रहकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। तहसीलदार जीरन को समग्र समन्वय का दायित्व सौंपा गया है। ग्राम दलपतपुरा एवं आसपास के ग्रामवासियों से रात्रि चौपाल में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई हैं।

आस्था के प्रतीक प्राचीन 'रामसागर तालाब' का पुनर्जन्म

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश भर में चलाए जा रहे जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 19 मार्च से संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत जनपद पंचायत सिहोरा के गोसलपुर में स्थित ऐतिहासिक रामसागर तालाब का कायाकल्प देखने को मिल रहा है। कई दशकों से उपेक्षा का शिकार रहा यह ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का तालाब अब पुनः अपनी पहचान प्राप्त कर रहा है।

ज्ञानदीप मंडल का जीव दया प्रकल्प बना मूक पशुओं के लिए जीवनदायिनी पहल

दानदाताओं के सहयोग से नगर में रखे गए नए चाठिए, गर्मी में मूक प्राणियों को मिलेगा पानी का सहारा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बीच मूक पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता और जीव दया की भावना को साकार करते हुए ज्ञानदीप मंडल द्वारा संचालित ÷जीव दया प्रकल्प÷ निरंतर सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण बनता जा रहा है। मंडल द्वारा प्रतिवर्ष नगर में दानदाताओं के सहयोग से पक्षियों के लिए सकोरा (जल पात्र) वितरण के साथ-साथ विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर चाठिए रखकर मूक पशुओं के लिए पानी की सुलभ व्यवस्था की जा रही है।

इसी क्रम में आज स्वर्गीय श्री सुभाषचंद्र जी एवं श्रीमती सुलोचना देवी जैन, इंदौर की पुण्य स्मृति में विपिन-पल्लवी जैन के सहयोग से नगर के विभिन्न स्थानों पर नए चाठिए स्थापित किए गए। इनमें दयोदय गौशाला में चार, लक्ष्मी गौशाला में दो, शीतला माता मंदिर पिटगारा में एक तथा वारको सिटी रोड पर चिन्हित स्थान पर एक चाठिया रखा गया।

संस्था अध्यक्ष विजय बाफना ने जानकारी देते हुए बताया कि मंडल द्वारा विगत कई वर्षों से संचालित इस जीव दया प्रकल्प के अंतर्गत अब तक नगर के विभिन्न स्थानों पर कुल 54 चाठिए रखे जा चुके हैं। इन चाठियों की नियमित सफाई एवं जल व्यवस्था स्थानीय संबंधित परिवारों एवं व्यक्तियों के सहयोग से निरंतर की जाती है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में मंडल की टोली द्वारा नगर में स्थापित सभी चाठियों का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित परिवारों से गर्मी के दिनों में नियमित सफाई एवं पानी की सतत व्यवस्था बनाए रखने का अनुरोध किया गया। साथ ही जिन स्थानों पर चाठियों का उपयोग नहीं हो रहा था, वहां से चार चाठियों को हटाकर अधिक उपयोगी एवं सुलभ स्थानों पर पुनः स्थापित किया गया।

चाठिया वितरण प्रकल्प के संयोजक चेतन रांका ने बताया कि प्रथम चरण में नगर के पाँच स्थानों पर तथा द्वितीय चरण में छह स्थानों पर दानदाताओं के सहयोग से नए चाठिए रखे गए हैं। यह प्रकल्प समाज में जीव दया, सेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागृति का भी संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर संस्था के सदस्य राजेश जैन, निलेश मोदी, पवन पाटोदी, दिनेश हरोड़, ईश्वर जोशी, हेमराज पवार, विक्रम सिंह चौहान एवं राजेश्वर द्विवेदी उपस्थित रहे।

संस्था सचिव प्रदीप पांडे ने बताया कि ज्ञानदीप मंडल द्वारा आगामी दिनों में भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत 31 मई को धूम्रपान निषेध दिवस तथा 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष जनजागरण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

रतनगढ़ श्रीपुरा जंगल क्षेत्र में लगी आग पर काबू, बड़ा हादसा टला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतनगढ़ क्षेत्र अंतर्गत श्रीपुरा पंचायत के गांव कुतली के समीप स्थित अति प्राचीन सांगाराणी माता मंदिर के पास जंगल क्षेत्र में रविवार को अचानक आग लगने की घटना सामने आई। देखते ही देखते लगभग आधा हेक्टेयर क्षेत्र में आग फैल गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नगर परिषद रतनगढ़ से फायर ब्रिगेड को भी रवाना किया गया। समय रहते संयुक्त प्रयासों से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

नुकसान की स्थिति- आग की चपेट में आने से झाड़ियां और घास-फूस जलकर राख हो गई, हालांकि किसी प्रकार की जनहानि या बड़ी संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ है।

मौके पर मौजूद अधिकार- घटना स्थल पर वन विभाग के उप वनमंडल अधिकारी दशरथ अखंडा, डिप्टी रेंजर बगदीराम, वन अधिकारी विपुल प्रभात, संरक्षक लाखन सिंह, जुल्फिकार सहित सुरक्षा श्रमिक मौजूद रहे।

वन अधिकारी का वर्जन- वन अधिकारी विपुल प्रभात ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड के सहयोग से आग पर तेजी से नियंत्रण पाया गया। उन्होंने कहा कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी प्रकार का बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।÷

प्रारंभिक जानकारी और जांच- स्थानीय लोगों के अनुसार यह क्षेत्र सागवान के जंगलों के लिए भी प्रसिद्ध है। ऐसे में आग लगने के कारणों को लेकर यह भी आशंका जताई जा रही है कि कहीं यह घटना मानवीय लापरवाही या जानबूझकर तो नहीं हुई, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

स्थिति अब नियंत्रण में- फायर ब्रिगेड और वन विभाग की टीम की त्वरित कार्रवाई से आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है और स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

दिल्ली में आयोजित भारतीय संत महा परिषद के संत महासंगम में शामिल होंगे श्री महावीर विद्यालय आलोट के प्राचार्य मनोज शर्मा

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महावीर विद्यालय आलोट के प्राचार्य एवं सनातन विचारक-शिक्षाविद श्री मनोज शर्मा आगामी 18 मई 2026 को नई दिल्ली में आयोजित भारतीय संत महा परिषद (बीएसएमपी) के विशाल संत महासंगम सम्मेलन में सहभागिता करेंगे। यह सम्मेलन दिल्ली स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम पहाड़गंज में प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा।

इस भव्य संत महासमागम में भारत सहित विश्वभर से विभिन्न मत, दर्शन, संप्रदाय एवं परंपराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पूज्य संत, आध्यात्मिक विचारक, शिक्षाविद एवं संस्कृति साधक सम्मिलित होंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति को अपनी मातृजड़ मानने वाले सभी व्यक्तियों को सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आधार पर एकजुट करना है।

सम्मेलन में विश्वभर में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति, जो भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है, वह अपनी समान मातृजड़ भारतीय संस्कृति के आधार पर हृदय से एकजुट कैसे हो तथा विश्व शांति, वैश्विक सौहार्द और सार्वभौमिक बंधुत्व के लिए एक सशक्त सामूहिक शक्ति के रूप में कैसे उभरे विषय पर गहन चिंतन एवं मार्गदर्शन प्रस्तुत किया जाएगा।

प्राचार्य श्री मनोज शर्मा इस अवसर पर सनातन चिंतन, मूल्य आधारित शिक्षा, भारतीय संस्कृति तथा वैश्विक आध्यात्मिक एकता से जुड़े अपने विचार साझा करेंगे। सम्मेलन में विशेष रूप से विश्व धर्म परिषद एवं वैश्विक आध्यात्मिक शिक्षा जैसे विषयों को केंद्र में रखते हुए व्यापक चर्चा एवं भावी कार्ययोजना पर मंथन किया जाएगा।

विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के शिक्षाविदों ने श्री मनोज शर्मा की इस सहभागिता को आलोट क्षेत्र एवं शिक्षा जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

कार्यालय कलेक्टर (कालोनी सैल) जिला उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/का. सेल/2026/302 — उज्जैन दिनांक 13/04/2026

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 (क्रमांक 1 सन् 1994) और उसके अधीन बनाए गए मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत (कालोनियों का विकास) नियम 2014 के अधीन एतद् द्वारा ग्राम लालपुर, तहसील कोठीमहल जिला उज्जैन में कालोनी विकसित करने की अनुज्ञा दी जाती है -

क.	कालोनाईजर का नाम एवं पता	स्थान जहाँ के लिये विकास अनुमति जारी की गई है।	घरोहर के रूप में बंधक रखे गये भूखण्डों का विवरण
1	2	3	4
1	आवेदक/कालोनाईजर गुप्ता डेवल्पर्स भागीदार श्यामसुंदर गुप्ता एवं अन्य पता 37 खण्डेलवाल नगर उज्जैन	ग्राम लालपुर, तहसील कोठीमहल, जिला उज्जैन में स्थित भूमि सर्वे क. 12/3 (उज्जैन विकास प्राधिकरण की स्वीकृत नगर विकास स्कीम टी.डी.एस. 03/UJN/2022 का भूखण्ड कमांक 03/42) रकबा 7.00 हेक्टेयर में से 3.50 हेक्टेयर में से अभिन्यास मानचित्र में दर्शाए अनुसार 34999.96 वर्गमीटर पर आवासीय कालोनी (नक्षत्र प्राईड)	भूखण्ड क्रमांक 130, 131, 132, 133, 134, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195 व 196 कुल भूखण्ड संख्या 57 कुल रकबा 7524.89 वर्गमीटर

उपरोक्त कॉलम नम्बर-4 में उल्लेखित भूखण्ड उपपंजीयक कार्यालय उज्जैन में बंधककर्ता कॉलोनाईजर गुप्ता डेवल्पर्स भागीदार श्यामसुंदर गुप्ता निवासी उज्जैन एवं बंधकग्रहिता अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुभाग कोठीमहल द्वारा पंजीकृत धरोहर के रूप में बंधक रखे गये है।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त बंधक भूखण्डों का कय/विकय कॉलोनाईजर द्वारा आगामी आदेश तक नहीं किया जावेगा।

सक्षम प्राधिकारी
कालोनी सेल
जिला उज्जैन

जिला चिकित्सालय झाबुआ के चिकित्सकों ने बचाई मासूम की जिंदगी

सर्पदंश से गंभीर हुए 6 वर्षीय बालक को मिला नया जीवन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समय पर उपचार, चिकित्सकों की तत्परता और लगातार की गई निगरानी ने एक 6 वर्षीय मासूम को नया जीवन दे दिया। ग्राम टिकरी बोडिया भूरिया फलिया निवासी अरुण पिता रामलाल भूरिया को 9 मई की शाम लगभग 4 बजे जहरीले सांप ने काट लिया था। घटना के बाद परिजनों ने बिना किसी देरी के सीधे जिला चिकित्सालय झाबुआ पहुंचाकर समझदारी का परिचय दिया।

अस्पताल पहुंचते-पहुंचते जहर का असर तेजी से बढ़ चुका था। बालक की हालत अत्यंत गंभीर हो गई थी और उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी थी। ड्यूटी पर तैनात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप चोपड़ा एवं नर्सिंग ऑफिसर्स ने तत्काल स्थिति को संभालते हुए अरुण को वेंटिलेटर सपोर्ट पर लिया तथा उसकी सांसों को नियंत्रित किया। साथ ही एंटी स्नेक वेनम सहित आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयों के माध्यम से उपचार प्रारंभ किया गया।

अरुण को पीआईसीयू में लगातार चार दिनों तक विशेष निगरानी में रखा गया। इस दौरान शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नवीन बामनिया, डॉ. भावेश परमार एवं रोस्टर अनुसार कार्यरत समस्त नर्सिंग ऑफिसर्स ने दिन-रात उसकी सतत मॉनिटरिंग, देखभाल एवं उपचार किया। चिकित्सकों की सजगता, टीमवर्क और समर्पण का परिणाम रहा कि धीरे-धीरे अरुण की स्थिति में सुधार होने लगा और उसने खतरे से बाहर आकर स्वस्थ होना शुरू किया।

लगातार आठ दिनों तक चले उपचार और देखरेख के बाद आज 17 मई को अरुण पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने परिवार के साथ मुस्कुराते हुए घर लौटा। बेटे को स्वस्थ देखकर परिजनों की आंखों में खुशी साफ झलक रही थी। परिवार ने जिला चिकित्सालय झाबुआ के पीआईसीयू में पदस्थ सभी चिकित्सकों, नर्सिंग ऑफिसर्स एवं स्वास्थ्य स्टॉफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी सेवाओं को जीवनदायी बताया।

आरोग्य धाम सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगा

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने किया शिविर का अवलोकन, अपनी स्वास्थ्य जांचें भी कराई

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोले का मंदिर स्थित आरोग्य धाम सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय में रविवार को निःशुल्क सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में शहर के लगभग 150 नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने भी शिविर का अवलोकन किया। साथ ही अपनी स्वास्थ्य जाँचें भी कराईं। उन्होंने सुपर स्पेशिलिटी शिविर आयोजित करने के लिये आरोग्यधाम चिकित्सालय प्रबंधन के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। शिविर में कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रो एवं लीवर रोग, न्यूरोलॉजी, पीवीएम एवं चेस्ट रोग, त्वचा रोग, मेडिसिन, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बाल एवं शिशु रोग तथा फिजियोथेरेपी के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श दिया गया।

शिविर के दौरान ओपीडी पूर्णतः निःशुल्क रखी गई थी। साथ ही शुगर एवं बीपी की जांच भी निःशुल्क की गई। लगभग 20 लोगों की ईसीजी जांच भी निःशुल्क कराई गई। शिविर में आए नागरिकों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त कर इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर संस्था द्वारा जानकारी दी गई कि आरोग्य धाम परिसर में लगभग 500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से एक अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो भविष्य में क्षेत्रवासियों को उच्च स्तरीय एवं सस्ती चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

जिला चिकित्सालय में एक ही दिन में 150 से अधिक मरीजों ने लिया निःशुल्क कैंसर परामर्श का लाभ

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आशीष तिवारी की पहल पर जिला चिकित्सालय कटनी में शनिवार को आयोजित विशाल निःशुल्क कैंसर परामर्श शिविर में 150 से अधिक कैंसर मरीजों ने पंजीयन कराकर शिविर का लाभ लिया। यह कैंसर शिविर शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर एवं जिला चिकित्सालय कटनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। कैंसर शिविर में कटनी एसडीएम श्री प्रमोद चतुर्वेदी, शहडोल सांसद प्रतिनिधि श्री पद्येश गौतम, जिला पंचायत

उपाध्यक्ष श्री अशोक विश्वकर्मा की विशिष्ट उपस्थिति रही। शिविर में शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर के प्रमुख कैंसर सर्जन डॉ. प्रशांत जैन (टाटा मेमोरियल से प्रशिक्षित) एवं वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. मालती भगत द्वारा मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से डॉ. अंकित जैन (डिप्टी सीएओ, शैल्बी हॉस्पिटल) ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं जरूरतमंद मरीजों को समय रहते कैंसर संबंधी जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराना था, ताकि प्रारंभिक अवस्था में बीमारी की पहचान कर उचित उपचार शुरू किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिन व्यक्तियों को लगातार गांठ, मुंह का छाला, असामान्य रक्तस्राव, अचानक वजन कम होना, लंबे समय तक खांसी अथवा कैंसर से संबंधित अन्य लक्षण दिखाई दें, उन्हें तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से जांच अवश्य करानी चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएमएचओ, सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा, कोऑर्डिनेटर डॉ. आर्यन, असिस्टेंट हॉस्पिटल मैनेजर प्रिया घोकले, सीपीएचसी कविता ओझा, नितिन तापा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। वहीं शैल्बी हॉस्पिटल जबलपुर की प्रबंधन टीम से डॉ. संजय जैन, श्री संजय शर्मा एवं श्री अजय मौदगिल, श्री हर्ष और श्री आदित्य ने शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शैल्बी हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि अस्पताल में आयुष्मान योजना के अंतर्गत कैंसर उपचार की सुविधा उपलब्ध है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान किया जा सकता है।

अखिल भारत हिन्दू महासभा का प्रदेश बड़ा विस्तारः प्रदेश कार्यकारिणी और जिला स्तर पर कार्यकर्ताओं की घोषणा

रतलाम से राजकुमारी प्रजापत बनी महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री, पदाधिकारियों ने दी बधाई

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल अखिल भारत हिन्दू महासभा को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने के लिए शनिवार को मध्यप्रदेश इकाई में बड़े पैमाने पर संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा की गई है। यह नियुक्तियां राष्ट्रीय संगठन मंत्री राकेश तिवारी,राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री दिनेश सुंगधी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनंदा दुबे एवं प्रदेश अध्यक्ष वीरसिंह राजपूत की अनुशंसा पर की गई हैं हिंदू महासभा के देवेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश संगठन मंत्री गौरव अध्वर्यु शर्मा द्वारा सर्वसहमति से इन पदाधिकारियों के आधिकारिक घोषणा की गई।

प्रदेश कार्यकारिणी और जिला स्तर पर कार्यकर्ताओं मिली जिम्मेदारी

इस दौरान पन्ना से जिलाध्यक्ष अभिषेक शुक्ला। भोपाल जिलाध्यक्ष - निकेत शर्मा,भोपाल जिला संगठन मंत्री रिंकू यादव,आनंद नायक संभाग अध्यक्ष भोपाल,मनोज पटेल जिला उपाध्यक्ष भोपाल,कैलाश गावड़े जिला महामंत्री भोपाल, देशराज सिंह संभाग मीडिया प्रभारी भोपाल,शांतनु माहुरकर प्रदेश कोषाध्यक्ष,प्रदीप श्रीवास्तव प्रदेश सह संगठन मंत्री, शांतनु सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष,नीतीश निशांत सहगल प्रदेश उपाध्यक्ष,एड. राजेंद्र मिश्रा ङ्क प्रदेश प्रमुख विधि सलाहकार,एड. मनीष शर्मा प्रदेश विधि सलाहकार,सुश्री राजकुमारी प्रजापत महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री रतलाम को बनाया गए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष का संदेश - इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष वीरसिंह राजपूत ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी नए पदाधिकारी पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ हिन्दू महासभा की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएंगे और संगठन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे।

नाले एवं बेशकीमती 15 हजार वर्गफीट सरकारी जमीन से हटाए अतिक्रमण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर शहर में सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में रविवार को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। इस टीम ने कोटेश्वर मंदिर के पीछे चंदनपुरा मार्ग से होकर गुजर रहे नाले व उससे जुड़ी बेशकीमती 15 हजार वर्गफीट शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

की। एसडीएम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव ने बताया कि पटवारी हल्का नंबर 63, ग्राम आऊखानाकला के चंदननगर क्षेत्र में खसरा नंबर 68 की नजूल भूमि के किनारे स्थित शासकीय नाले पर प्रीतम किरार द्वारा मैरिज गार्डन संचालित किया जा रहा था।

जांच में पाया गया कि मैरिज गार्डन का एक गेट और दीवार शासकीय नाले की भूमि पर बनाई गई थी। इसके अलावा लगभग 15 हजार वर्गफीट शासकीय भूमि पर भी कब्जा कर उसे गार्डन के रूप में उपयोग किया जा रहा था। संयुक्त टीम ने मशीनों की मदद से नाले पर बनी दीवार और अन्य अतिक्रमण को हटाकर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

कृषक जागरूकता रथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किए गए

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देश अनुसार कृषि विभाग की योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर से कृषक जागरूकता रथ खंडवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर और तथा अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, परियोजना संचालक आत्मा श्री ए. एस. सोलंकी, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक श्री डी.के. वाणी, सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

उपसंचालक कृषि श्री नितेश यादव ने बताया कि कृषक रथ का संचालन आगामी 10 दिवस के लिए किया गया है। यह कृषि रथ जिले के सभी विकास खंडों की सभी ग्राम पंचायतों में जाएगा । इस कृषि रथ के माध्यम से कृषकों को ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था तथा उर्वरकों का अनुशंसा अनुसार उपयोग करने, जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का प्रचार-प्रसार, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना, विभागीय कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, पराली प्रबंधन के बारे में किसानों को जानकारी दी जाएगी। कृषि अभियांत्रिकी द्वारा खरीफ पूर्व, खेतों का समतलीकरण, स्थानीय स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों, कृषि उद्यमी तथा प्रगतिशील कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाएगा। कृषि रथ के सफल संचालन के लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग एवं आत्मा के अधिकारियो की निर्धारित रूट चार्ट अनुसार ड्यूटी लगाने के आदेश जारी किए हैं।

उपसंचालक कृषि श्री यादव ने बताया कि इसी तरह के कृषि रथ जिले के अन्य विकासखंड मुख्यालय से भी जनप्रतिनिधियों ने रवाना किए। उन्होंने बताया कि विकासखंड छैगांवमाखन मे जनपद अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह सावनेर ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जबकि मूंदी से कृषि रथ को विधायक श्री नारायण पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आधुनिक खेती की ओर बढ़ते कदम, 146 किसानों को मिला 1.55 करोड़ का कृषि यंत्र अनुदान

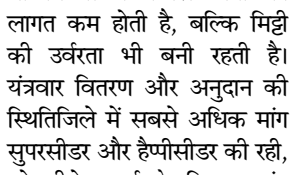

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और नरवाई प्रबंधन (पराली प्रबंधन) को प्रभावी बनाने के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान जिले के 146 किसानों को विभिन्न कृषि यंत्रों की खरीद पर कुल 1 करोड़ 55 लाख 67 हजार रुपये की अनुदान राशि वितरित की गई है।

नरवाई प्रबंधन पर विशेष जोरप्रशासन द्वारा किसानों को खेतों में नरवाई जलाने के बजाय यंत्रों के माध्यम से उसके प्रबंधन के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन्हीं प्रयासों से बीते वित्तीय वर्ष कुल 183 कृषि यंत्र स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 146 किसानों ने यंत्रों की खरीदी कर अनुदान का लाभ उठाया। इन आधुनिक यंत्रों के माध्यम से न केवल खेती की लागत कम होती है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है। यंत्रवार वितरण और अनुदान की स्थितिजिले में सबसे अधिक मांग सुपरसीडर और हैप्पीसीडर की रही, जो सीधे बुवाई के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

डेंगू दिवस पर जिला अस्पताल में शपथ दिलाई गई

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून की दस्तक से पहले डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों पर रोकथाम करने के लिए शनिवार को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय परिसर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, चिकित्सकों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से समाज में डेंगू के प्रति जागरूकता फैलाने और इसके उन्मूलन की शपथ ली। सिविल सर्जन डॉ अनिरुद्ध कौशल ने बताया कि डेंगू दिवस मनाने का उद्देश्य केवल चर्चा करना नहीं बल्कि धरातल पर कड़े कदम उठाना है। उन्होंने बताया कि डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं इसलिए पानी के बर्तनों, पानी की टंकी आदि को ढक कर रखे घर के आसपास सफाई रखें। साथ ही छत पर प्रयोग में ना आने वाले कंटेनर टायर आदि न रखें क्योंकि बारिश के मौसम में इनमें पानी जमा होता है, जिसमें मच्छर पनपते हैं । उन्होंने नागरिकों को सुझाव दिया है कि डेंगू से बचाव के लिए शरीर को पूरी तरह से ढकने वाले कपड़े पहने, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, अपने आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव नहीं होने दें । उन्होंने बताया कि बुखार आने पर तुरंत निकट के अस्पताल में जाएं ताकि समय पर इसका इलाज हो सके ।

कार्यक्रम में महामारी विशेषज्ञ डॉक्टर योगेश शर्मा ने बताया कि डेंगू एक रोके जाने योग्य बीमारी है, जो साफ ठहरे हुए पानी में पनपने वाले एडीज मच्छर के काटने से होती है। शपथ ग्रहण के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को पम्फलेट बांटकर डेंगू के लक्षण जैसे– अचानक तेज बुखार, सिरदर्द, और बदन दर्द होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी श्री करण सिंह भूरिया ने बताया कि डेंगू डेन वायरस के कारण होता है, एवं उसे फैलाने का कार्य संक्रमित मादा एडिज मच्छर करता है। डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया जैसी बीमारीयों के नियंत्रण के लिए घरों एवं कार्यालयों की साफ-सफाई रख इन बीमारीयों को पैदा या फैलाने वाले मच्छर को पैदा होने से रोककर, काटने से बचाव कर इन बीमारी को फैलने से रोक सकते है।

उन्होंने सलाह दी कि डेंगू, चिकुनगुनिया की बीमारी के लक्षण होने पर चिकित्सक की सलाह पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर अपनी जाँच करवाये। इस मौके पर डॉ सुजीत वर्मा, डॉ नेहा शुक्ला, डॉक्टर जीनल पटेल सहित अधिकारी, चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा। इसी तरह के कार्यक्रम जिले के अन्य शासकीय अस्पतालों में भी आयोजित किए गए।

नौकरी छोड़ अभिषेक बने सफल मसाला उद्योग के मालिक पीएमएफएमई योजना से मिली नई दिशा, अब अन्य युवाओं को भी दे रहे रोजगार

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी विभाग की पीएमएफएमई योजना जिले के युवाओं के लिए स्वरोजगार का मजबूत माध्यम बन रही है। योजना के माध्यम से कई युवा स्वयं का उद्योग स्थापित कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है शिवपुरी निवासी अभिषेक राठौर की, जिन्होंने प्राइवेट नौकरी छोड़कर अपना मसाला उद्योग स्थापित किया और आज अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। नौकरी से उद्यमिता तक का सफर अभिषेक राठौर पूर्व में न्यू हॉलेंड कंपनी में प्राइवेट नौकरी करते थे। नौकरी के दौरान ही उन्होंने स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। इस संबंध में उन्होंने उद्यानिकी विभाग के डीआरपी गिर्राज ओझा से संपर्क किया, जिन्होंने उन्हें विभागीय अधिकारियों से मार्गदर्शन दिलाया। अधिकारियों द्वारा उन्हें बताया गया कि पीएमएफएमई योजना के माध्यम से खाद्य

प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने हेतु ऋण एवं अनुदान का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इसके बाद अभिषेक ने योजना के तहत आवेदन कर पंजाब नेशनल बैंक, झांसी तिराहा शाखा से 17 लाख 58 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। 35 प्रतिशत सब्सिडी से मिला बड़ा सहयोग योजना के अंतर्गत अभिषेक को कुल ऋण राशि पर 35 प्रतिशत अनुदान के रूप में लगभग 6 लाख 15 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। आर्थिक सहायता मिलने के बाद उन्होंने फूड पार्क बड़ौदी में अपनी मसाला निर्माण इकाई स्थापित की। वर्तमान में वे ÷उत्कर्ष मसाला÷ ब्रांड के नाम से मसालों का निर्माण एवं विक्रय कर रहे हैं। उनके उत्पाद शिवपुरी जिले के साथ-साथ अन्य जिलों में भी भेजे जा रहे हैं। रोजगार सृजन अभिषेक ने अपने उद्योग के माध्यम से तीन अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया है।

सुसनेर में भाजपा स्वागत कार्यक्रम में जेबकटी, भाजपा नेताओं की जेब से हजारों रुपए पार

कार्यक्रम में छोटा बच्चा पकड़ाया, रुपए लेकर छोड़ने की चर्चा

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के नगर आगमन पर रविवार को आयोजित स्वागत कार्यक्रम के दौरान जेबकटी की घटना सामने आने से स्वागत स्थल पर हड़कंप मच गया। भीड़भाड़ और स्वागत की भागदौड़ के बीच सक्रिय जेबकट गैंग ने भाजपा नेताओं सहित कई लोगों की जेब काटकर हजारों रुपए निकाल लिए। जानकारी के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के स्वागत के लिए नगर में दो स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। पहला स्वागत कार्यक्रम गुमान सिंह कजलास के निवास पर हुआ जबकि दूसरा स्वागत मंडी गेट स्थित महावीर जैन सालरिया की दुकान पर किया गया। दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक मौजूद थे। स्वागत के दौरान फूलमालाओं और भीड़भाड़ के बीच जेबकट गैंग ने मौका पाकर कई लोगों को अपना निशाना बना लिया। बताया जा रहा है कि भाजपा जिला उपाध्यक्ष सजन सिंह कलारिया, नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जैन खुपवाला, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष दिलीप जैन सहित अन्य लोगों की जेब से नकदी गायब हो गई। कुछ लोगों को मौके पर ही अपनी जेब कटने का पता चला, जिसके बाद कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संदिग्ध लोगों की तलाश शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इसी दौरान एक छोटे बच्चे को पकड़ लिया गया जो राजस्थान क्षेत्र का बताया गया। बच्चे को पूछताछ के लिए नगर परिषद कार्यालय ले जाने की चर्चा रही। सूत्रों के अनुसार बच्चे के माध्यम से कथित जेबकट गैंग के अन्य सदस्यों से फोन पर संपर्क किया गया। इसके बाद करीब 21 हजार 500 रुपए डलवाए जाने की बात सामने आई। चर्चा है कि रुपए मिलने के बाद बच्चे को छोड़ दिया गया। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर किसी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच काफी देर तक चर्चाओं का दौर चलता रहा। लोगों का कहना था कि भीड़भाड़ वाले आयोजनों में बाहरी जेबकट गैंग सक्रिय हो जाती हैं और मौके का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम देती हैं। वहीं घटना के बाद कई लोगों ने आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ाने की आवश्यकता भी जताई।

घटना के बाद लोगों में चर्चा रही कि पकड़े गए बच्चे को पुलिस थाने ले जाया जाता तो जेबकट गैंग के अन्य सदस्यों तक पहुंचा जा सकता था। लोगों का कहना था कि बच्चे के माध्यम से गैंग से संपर्क भी हुआ था, ऐसे में पुलिस कार्रवाई होती तो भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सकती थी। वहीं मामले को लेकर नगर में दिनभर चर्चाओं का दौर चलता रहा।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं का कंप्यूटर एकाउंटिंग प्रशिक्षण एवं परीक्षा संपन्न

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में 38 दिवसीय कंप्यूटर एकाउंटिंग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विकासखंडों से स्व सहायता समूह की महिलाओं एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण संस्थान के संचालक पवन कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं को कंप्यूटर एवं अकाउंटिंग से संबंधित सैद्धांतिक और प्रायोगिक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षक रत्नेश दुबे द्वारा किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात प्रतिभागियों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा आयोजित की गई। कंप्यूटर एवं अकाउंटिंग विषय की परीक्षा पवन कुमार पांडे द्वारा तथा बैंकिंग से संबंधित परीक्षा आशीष खरे द्वारा संपन्न कराई गई। इस दौरान श्रीमती मानसी दुबे एवं कुमारी तृप्ति मिश्रा सहित सभी महिला प्रशिक्षार्थियों ने परीक्षा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा उपरांत सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

पहले पाइप लाइन और बिजली शिफ्टिंग पूरी करें, फिर शुरू हो अगला काम

संभाग आयुक्त ने चौड़ीकरण कार्यों की कई साइटों पर दिए डेडलाइन वाले निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ को लेकर शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्यों का रविवार को संभागायुक्त और ने शहर के विभिन्न निर्माण स्थलों का दौरा कर काम की प्रगति देखी और कहा कि तय टारगेट के अनुसार काम पूरा होना चाहिए। विभागीय समन्वय में किसी तरह की ढिलाई नहीं चलेगी।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि सड़क चौड़ीकरण से पहले पेयजल पाइप लाइन और बिजली पोल शिफ्टिंग का काम प्राथमिकता से पूरा किया जाए, ताकि बाद में निर्माण कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर काम की गति बढ़ाई जाए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ-2028 को देखते हुए शहर के प्रमुख मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है, ताकि देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात सुविधा मिल सके और भीड़ प्रबंधन सुचारु रूप से हो सके।

रविवार को अधिकारियों ने कंठाल चौराहा, सतीगेट, ढाबारोड़, जूना सोमवारिया, खजूरवाली मस्जिद, वीडी क्लॉथ मार्केट और तेलीवाड़ा क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। कंठाल चौराहे पर नगर निगम के ईई हिमांशु तिवारी ने कार्य प्रगति की जानकारी दी। यहां संभागायुक्त ने नाली निर्माण और सड़क के पीसीसी कार्य को तेजी से शुरू करने के निर्देश दिए। वहीं सतीगेट क्षेत्र में बिल्डिंग लाइन क्लियर कर नाली निर्माण तत्काल शुरू करने को कहा गया।

ढाबारोड़ क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान हरियाखेड़ी से पानी सप्लाई लाइन का काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। कमरी मार्ग में चल रहे सीवर कार्य को सात दिन में खत्म करने की समय-सीमा तय की गई। साथ ही बिजली विभाग को भी इसी अवधि में पोल शिफ्टिंग और नए पोल लगाने का काम पूरा करने को कहा गया। इसके बाद अधिकारियों ने खजूरवाली मस्जिद से बड़े पुल तक चल रहे चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया। यहां केडी गेट चौराहे की नई प्लानिंग तैयार करने और दो दिन में पीक्यूसी कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। तेलीवाड़ा क्षेत्र में भी सड़क चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए एक सप्ताह में चौराहे का काम पूरा करने की हिदायत दी गई।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में फर्जी अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

उज्जैन का आदिनाथ क्लीनिक और महिदपुर का शिफा क्लीनिक सील

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध रूप से संचालित अस्पतालों, क्लिनिकों और स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा अभियान छेड़ दिया है। एक सप्ताह तक चली कार्रवाई में कई ऐसे क्लिनिक सामने आए जो बिना वैध पंजीयन और अनुमति के मरीजों का इलाज कर रहे थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो क्लिनिकों को सील कर दिया, जबकि दर्जनों संस्थानों को नोटिस जारी किए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि 10 मई से 16 मई तक जिलेभर में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 119 स्वास्थ्य संस्थानों की जांच की गई। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि इनमें 74 संस्थान अपंजीकृत पाए गए।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शहर में 68 स्थानों की जांच की गई, जिनमें से 39 संस्थान बिना पंजीयन संचालित होते मिले। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 51 जगहों पर कार्रवाई हुई, जहां 35 संस्थान नियमों के विरुद्ध संचालित पाए गए। विभागीय टीम ने उज्जैन के लक्ष्मी नगर स्थित आदिनाथ क्लिनिक और महिदपुर के शिफा क्लिनिक पर सील की कार्रवाई की। जांच के दौरान कई संस्थानों में न तो वैध अनुमति मिली और न ही शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों का पालन किया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि ये संस्थान मध्यप्रदेश उपचर्या गृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम 1973 का खुला उल्लंघन कर रहे थे। कई जगह बिना योग्य चिकित्सक के इलाज, अपूर्ण दस्तावेज और अवैध रूप से मरीजों का उपचार किए जाने जैसी गंभीर अनियमितताएं भी सामने आईं। सीएमएचओ डॉ. पटेल ने बताया कि चिन्हित अवैध अस्पतालों और क्लिनिक संचालकों को नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जरूरत पड़ने पर ऐसे संस्थानों को बंद कराने, दस्तावेजों की जांच और पंजीयन सत्यापन जैसी कानूनी प्रक्रिया भी लगातार जारी रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि इलाज केवल पंजीकृत और अधिकृत अस्पतालों में ही कराएं। किसी भी संदिग्ध या अवैध क्लिनिक की जानकारी तुरंत स्वास्थ्य विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके।

सीएमएचओ ने साफ किया कि जिले में अवैध स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों की अनदेखी कर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

25 मई को शहर में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए एक दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पृथ्वी पर जल सबसे महत्वपूर्ण संसाधनों में से एक है, इसीलिए जीवन के लिए जल संरक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है, वर्तमान समय में घटते भूजल स्तर, अनियमित वर्षा, बढ़ते शहरीकरण तथा जल संकट की चुनौतियों को देखते यह अनमोल संसाधन संरक्षित रहे इसके लिये मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी मध्यप्रदेश शासन दृढसंकल्पित है मा. मुख्यमंत्री की संकल्पना अनुसार मध्यप्रदेश शासन द्वारा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य जन सहयोग से जल स्रोतों (नदियों, तालाबों, बावड़ियों) का संरक्षण, जीर्णोद्धार, साफ-सफाई और पौधारोपण करना है मा. मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जलगंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा व्यापक स्तर पर वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके क्रम में रविवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय पर उज्जैन उत्तर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल एवं पार्षदों आदी।

शनिचरी अमावस्या पर्व समाप्ति के पश्चात निगम द्वारा शनि मंदिर त्रिवेणी घाट पर विशेष सफाई कार्य किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को शनिचरी अमावस्या के विशेष संयोग को दृष्टिगत रखते हुए त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर पर लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं का आगमन हुआ,श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के निर्देश अनुसार मंदिर परिसर के साथ-साथ घाट क्षेत्र में विशेष रूप से सफाई व्यवस्था की गई, गर्मी के समय को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए नगर निगम द्वारा संपूर्ण मार्ग पर जहां लंबी-लंबी कतारों में श्रद्धालु लगे हुए हैं एवं जहां से निर्गम हो रहा है वहां पर मिस्ट फैन (पानी के फव्वारे) लगाए गए जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी से बचाव हुआ एवं ठंडक महसूस हुई जिससे श्रद्धालु भी खुश नजर आए, इसी के साथ स्नान के लिए फव्वारे,घाट पर वस्त्र बदलने के लिए प्रथक से चेंजिंग रूम, बड़े डस्टबिन, पानी के टैंकर, चलित शौचालय एवं जिन श्रद्धालुओं के द्वारा मन्नत के कपड़े एवं जूते चप्पल घाट पर छोड़े जाते हैं उनको उठाने के लिए भी व्यवस्थाएं की गई है, 90 से अधिक सफाई मित्रों को शिफ्ट अनुसार घाट पर सफाई कार्य के लिए लगाया गया जिसमें स्वास्थ्य अधिकारी स्वच्छता निरीक्षक एवं दरोगा द्वारा सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग की गई शनिवार रात्रि को जब शनिचरी अमावस्या पर्व समाप्ति के पश्चात नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा रात्रि कालीन भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया जो रविवार सुबह तक सतत रूप से जारी रहा परिणाम स्वरूप शनि मंदिर एवं घाट क्षेत्र जहां लाखों श्रद्धालुओं का आगमन हुआ जहां कपड़े,जूते अन्य सामान छोड़ कर गए थे उस स्थान को पुनः साफ और स्वच्छ बनाया गया।

मन्नत के छोड़े गए कपड़े एवं जूतों के ढेर को निगम द्वारा हटाते हुए घाट एवं मंदिर क्षेत्र पर विशेष सफाई की गई- शनिचरी अमावस्या को ध्यान में रखते हुए त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर पर आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा मन्नत के कपड़े एवं जूते छोड़े जाते हैं जिन्हें पाव समाप्ति के पश्चात रात्रि कालीन ही विशेष सफाई अभियान चलाया जाकर सफाई मित्रों द्वारा प्रथक प्रथक संग्रहित किया गया रविवार को जेसीबी मशीन से संग्रहित करते हुए डंपर एवं ट्रैक्टर ट्राली में भर गया जिन्हें ट्रांसफर स्टेशन पहुंचाया जाएगा।

उज्जैन में हाई बीपी का खतरा बढ़ा.. डेढ़ लाख लोग बीमारी के शिकार

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर बोले चिकित्सक- मोबाइल, तनाव बना बड़ा कारण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। अस्पतालों और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार उज्जैन में करीब डेढ़ लाख लोग हाई बीपी की समस्या से जूझ रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बदलती जीवनशैली, लगातार बढ़ता तनाव, मोबाइल और लैपटॉप का अत्यधिक उपयोग, नींद की कमी और अनियमित खान-पान इसके प्रमुख कारण बन रहे हैं। खास बात यह है कि युवा वर्ग भी तेजी से इसकी गिरफ्त में आ रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हाई ब्लड प्रेशर अब केवल बुजुर्गों की बीमारी नहीं रह गई है। देर रात तक मोबाइल चलाने, घंटों लैपटॉप पर काम करने और मानसिक तनाव के कारण शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। इससे रक्तचाप लगातार ऊंचा रहने लगता है। वहीं फास्ट फूड, अधिक नमक, तली-भुनी चीजें और शारीरिक गतिविधियों की कमी स्थिति को और गंभीर बना रही है। डॉक्टरों का कहना है कि नींद पूरी नहीं होने और स्लीप एपनिया जैसी समस्या भी हाई बीपी की बड़ी वजह बन रही है। कई लोगों को सोते समय खर्राटे आते हैं और शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम होने लगता है। इससे दिमाग लगातार अलर्ट मोड में रहता है और रक्तचाप बढ़ जाता है।

इसलिए कहा जाता है 'साइलेंट किलर' - विशेषज्ञों के अनुसार हाई ब्लड प्रेशर को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है क्योंकि कई बार इसके शुरुआती लक्षण दिखाई नहीं देते। लंबे समय तक मरीज को बीमारी का पता ही नहीं चलता और अचानक हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक या किडनी संबंधी गंभीर परेशानी सामने आ जाती है।

ये हैं इसके प्रमुख लक्षण

-लगातार सिरदर्द रहना
-चक्कर आना
-सांस फूलना
-सीने में दर्द
-जल्दी थकान महसूस होना
-आंखों के सामने धुंधलापन

डॉक्टरों की सलाह, समय रहते संभलना जरूरी- स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को नियमित रूप से ब्लड प्रेशर जांच कराने की सलाह दी है। डॉक्टरों के मुताबिक रोजाना कम से कम 30 मिनट टहलना, योग और व्यायाम करना जरूरी है।

इसके साथ ही नमक का सेवन कम करना, जंक फूड से दूरी बनाना और पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते जीवनशैली में सुधार किया जाए तो हाई बीपी जैसी गंभीर बीमारी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

शुरू हुआ ज्येष्ठ अधिकमास.. एक माह तक मांगलिक कार्य नहीं होंगे

18 साल बाद बना विशेष संयोग - उज्जैन के मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचांग गणना के अनुसार रविवार से ज्येष्ठ अधिकमास की शुरुआत हो गई है। यह अधिकमास 17 मई से 15 जून तक चलेगा। खास बात यह है कि ज्येष्ठ अधिकमास का यह संयोग पूरे 18 साल बाद बना है। इससे पहले वर्ष 2018 में ऐसा संयोग बना था। अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है और इसे भगवान विष्णु तथा श्रीकृष्ण की भक्ति के लिए विशेष माना गया है। पूरे एक माह तक शहर में धर्म, अध्यात्म, कथा, भजन और पूजा-अर्चना की धूम रहेगी।

ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि अधिकमास में मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। इस दौरान भगवान विष्णु की आराधना, दान-पुण्य, भागवत पारायण, तीर्थाटन और जप-तप का विशेष महत्व माना गया है। उज्जैन में श्रद्धालु पुरुषोत्तम मास के दौरान चौरासी महादेव, नौ नारायण और सप्त सागर यात्रा भी करेंगे। इसके अलावा श्रीमद्भागवत, देवी भागवत, शिव महापुराण और नर्मदा पुराण जैसी कथाओं का आयोजन भी शहरभर में होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस माह में व्रत, संयम और भूमि पर शयन करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भीड़ बढने लगी है। शहर के प्रमुख विष्णु और कृष्ण मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, श्रृंगार और भजन संध्या के आयोजन किए जाएंगे।

शहर के प्रमुख मंदिरों में विशेष आयोजन- मालीपुरा स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर, अनंतपेठ स्थित भगवान अनंतनारायण मंदिर, क्षीरसागर क्षेत्र के प्राचीन विष्णु मंदिर तथा खाकचौक के समीप बांके बिहारी मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम होंगे। मंदिरों में प्रतिदिन सुबह-शाम भगवान के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन कराए जाएंगे।

30 दिन तक चलेंगे मनोरथ और सत्संग- मंगलनाथ मार्ग स्थित महाप्रभुजी की बैठक में 17 मई से 15 जून तक विशेष 30 दिवसीय मनोरथ का आयोजन किया जाएगा। वहीं ढाबा रोड स्थित श्रीनाथजी की हवेली में उत्सव, सत्संग और भक्ति कार्यक्रम होंगे। शहर के अन्य श्रीकृष्ण मंदिरों में भी पुरुषोत्तम मास के दौरान विशेष सेवा-पूजा, हरिनाम संकीर्तन और भागवत पारायण का आयोजन किया जाएगा।

दो दिन से महाकाल में भीड़.. एक लाख से अधिक लोगों ने किए दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बावजूद महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। छुट्टी के दिन रविवार को भी बड़ी संख्या में लोग महाकाल दर्शन करने पहुंचे। इनमें ज्यादातर भक्त महाराष्ट्र, गुजरात और अन्य प्रदेशों से पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर में सप्ताह के अंतिम दो दिन शनिवार एवं रविवार को भीड़ बढ़ जाती है। कल से ही महाकाल में आम दिनों के मुकाबले लोगों की संख्या अधिक नजर आ रही थी। सहायक प्रशासनिक अधिकारी मूचलंद जूनवाल के मुताबिक कल दिनभर तथा रविवार शाम तक महाकालेश्वर मंदिर में 1 लाख से अधिक श्रध्दालु दर्शन कर चुके थे। इधर रविवार से अधिकमास भी आरंभ हो गया है और शहर के अन्य मंदिरों के साथ साथ महाकालेश्वर मंदिर में भी बाहर के अलावा उज्जैन तथा आसपास के श्रध्दालु बड़ी संख्या में महाकाल दर्शन करने आने लगे थे।

सिद्धवट मंदिर के पास युवक को बदमाशों ने मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को अमावस्या होने पर सिद्धवट मंदिर आए युवक को लौटते समय दो युवकों ने रोक लिया और चाकू मार दिए। बदमाशों द्वारा शराब पीने के रुपए मांगे जा रहे थे। भैरवगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम सुलियाखेड़ी का रहने वाला लक्ष्मण पिता रामेश्वर गुर्जर 38 साल सिद्धवट मंदिर आया था। जहां से शाम को वापस लौटते समय मंदिर से कुछ दूरी पर ही सुलभशौचालय के समीप उसे दो बदमाशों ने रोका और शराब पीने के लिए 500 रुपए मांगने लगे। लक्ष्मण ने रुपए देने से इंकार किया तो गाली गलौच शुरू कर दी। जिसका विरोध किया गया तो बदमाशों ने उस पर चाकू से वार कर दिए और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। चाकूबाजी में घायल युवक की जानकारी मिलने पर उसे लोगों की मदद से चरक अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं मामले में घायल के बयान दर्ज कर दोनो बदमाशो के खिलाफ अवैध वसूली करने और चाकू मारने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार एक बदमाश की पहचान कर ली गई है जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उसके दूसरे साथी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिन और रात का पारा गिरा.. फिर भी गर्मी के तेवर बरकरार

कल से फिर बढ़ेगा तापमान, तीन दिन रहेगा तीखी गर्मी का असर, फिर गिरेगा पारा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को झुलसाता सूरज पिछले कुछ दिनों से थोड़ा शांत है। पिछले पांच दिनों से तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। हालांकि अब भी दिन और रात में गर्मी सता रही है। दिन में तेज धूप के कारण बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है।

मौसम विभाग वैज्ञानिकों के अनुसार कल से अगले तीन दिनों तक तापमान फिर बढ़ेगा, इसके बाद माह के अंत तक इसमें गिरावट देखने को मिलेगी, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा, लेकिन परसों की अपेक्षा 0.3 डिग्री कम था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा लेकिन कल की अपेक्षा 0.3 डिग्री कम था। जबकि 13 मई के मुकाबले दिन के तापमान में 2.7 और रात के तापमान में 3.7 डिग्री की कमी दर्ज की गई। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 8 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार हवाओं का रुख उत्तरी होने के कारण तापमान में थोड़ी कमी आ रही है, हालांकि अगले दो-तीन दिनों तक तापमान फिर बढ़ेगा और एक बार फिर यह 43 डिग्री या इससे भी आगे पहुंचेगा, लेकिन मंगलवार से तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी और यह 40 डिग्री या इससे भी कम पर आएगा। इससे गर्मी का असर कम होगा और लोगों को राहत मिलेगी।

5 दिन में दिन का पारा 2.7 डिग्री और रात का 3.7 डिग्री कम हुआ- शहर के तापमान में पिछले पांच दिनों से लगातार कमी देखने को मिल रही है। पिछले पांच दिनों में दिन के तापमान में जहां 2.7 डिग्री की गिरावट आई है, वहीं रात का तापमान करीब 3.7 डिग्री गिर गया है। हालांकि यह अब भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है, लेकिन तापमान में कमी आने से तीखी गर्मी से थोड़ी राहत मिली है।

एक नजर पांच दिनों से गिरते पारे पर-

तारीख	अधिकतम	न्यूनतम
12 मई	44.4	24.8
13 मई	44.7	26.8
14 मई	44.0	29.2
15 मई	42.5	27.0
16 मई	42.0	25.8
17 मई	--	25.5

(जानकारी जीवाजी राव वेधशाला के अनुसार, तापमान डिग्री सेल्सियस में)

नईखेड़ी रेलवे ट्रेक पर मिली महिला की कटी लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार सुबह नईखेड़ी रेलवे ट्रेक पर महिला की कटी हुई लाश मिलना सामने आया है। महिला झिरन्या की रहने वाली थी। मामला आत्महत्या का सामने आया है पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर जांच शुरू की है। भैरवगढ़ थाना प्रभारी शैलेन्द्र प्रतापसिंह राजावत ने बताया कि सुबह नईखेड़ी रेलवे ट्रेक पर एक महिला के ट्रेन से कटने की जानकारी सामने आने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। इस दौरान सामने आया कि महिला का सिर और हाथ-पैर धड़ से अलग हो चुके हैं। प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन से कटकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा था। मृतक महिला की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए गए। कुछ देर बाद सामने आया कि मृतक महिला झिरन्या की रहने वाली है। जिसके चलते पुलिस द्वारा ग्राम झिरन्या के लोगों को सूचना देकर घटनास्थल बुलाया। महिला की पहचान नीलम पिता सोनू भामी के रूप में हुई। परिजनों से पूछताछ में सामने आया कि दो बच्चों की मां है और 10-11 साल पहले प्रेम विवाह किया था। पति बाहर गया हुआ है महिला रात को घर से निकली थी। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे आशंका है कि पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने आत्महत्या की है।

देवर ने किया दुष्कर्म, पति-सास बने सहयोगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला के साथ देवर ने अनैतिक कृत्य किया। विरोध करने पर पति और सास ने महिला को जान से मारने की धमकी दी। अनैतिक कृत्य के बाद देवर महिला को अपने साथ दूसरे स्थान पर भी ले गया, जहां धमकाकर गलत काम किया। देवर के साथ पति और सास के शामिल होने पर महिला ने मामले की शिकायत नागदा थाने पहुंचकर दर्ज कराई। थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी ने बताया कि मामला गंभीर होने पर देवर के खिलाफ दुष्कर्म करने और पति-सास के खिलाफ अनैतिक कृत्य में सहयोग करने और धमकाने का मामला दर्ज किया। पति और सास को गिरफ्तार कर लिया गया है। देवर फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पति और सास को पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया था। जिन्हे कोर्ट में पेश कर पति को खाचरौद उपजेल और सास को भैरवगढ़ जेल भेजा गया है।

रात्रि कालीन शिफ्ट में चौड़ीकरण कार्यों का निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के आंतरिक मार्गों के चौड़ीकरण कार्य के अंतर्गत खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट एवं जूना सोमवारिया क्षेत्र पर रात्रिकालीन शिफ्ट में चौड़ीकरण कार्यों का निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा निरीक्षण किया गया खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट तक दोनों साइड पर नाली निर्माण के साथ पेयजल लाइन की शिफ्टिंग पूर्ण हो गई है।

डीजीपी का रिश्तेदार बन वन विभाग में नौकरी का दिया झांसा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस डीजीपी का रिश्तेदार बताकर नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायती आवेदनों की जांच पर मामले में प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है। अब तक 10 से 12 युवक सामने आ चुके है, सभी एक गांव के रहने वाले है।

महिदपुर थाना पुलिस ने बताया कि कुछ समय पहले ग्राम तालोद चिंतामण क्षेत्र के रहने वाले फतेहसिंह पिता भैरूसिंह ने आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पहचान ग्राम झरखेड़ी में रहने वाले बालू पिता भैरूसिंह चौहान से वर्ष 2022 में हुई थी। उसने खुद को पुलिस विभाग के डीजीपी का रिश्तेदार होना बताया और वन विभाग में नौकरी दिलाने की बात कहीं। उसने वन विभाग में कई पद खाली होने की बात कहीं थी। नौकरी मिलने की आस में उससे जानकारी मांगी गई। उसने शिक्षा संबंधित दस्तावेज (मार्कशीट), आधार कार्ड मांगा। वहीं 80 हजार रूपये की बात कहीं। दस्तावेजों के साथ रूपये देने के बाद परीक्षा होने की बात कही। उसने अन्य पदों के लिये भी युवकों की बात कहीं। जिसके चलते गांव तालोद के 10-12 युवकों को वन विभाग में नौकरी के पद खाली होने की बात कहीं। गांव के जितेन्द्र चंद्रवंशी, विकास सूर्यवंशी, मुकेश चंद्रवंशी, बलराम चंद्रवंशी सहित अन्य भी नौकरी पाने के लिये तैयार हो गये। सभी को डीजीपी का रिश्तेदार बताने वाले बालूसिंह ने झारडा कटन चौराहा चाय की दुकान पर अलग-अलग बुलाया और दस्तावेजों के साथ किसी से ढाई लाख, किसी से डेढ़ लाख, एक लाख रूपये लिये, करीब 25 लाख के लगभग लेने के बाद कई दिनों तक टाल-मटौल करता रहा। नौकरी नहीं मिलने पर रूपये लौटाने की बात कहीं तो जान से मारने की धमकी देने लगा। प्रधान आरक्षक चौहान के अनुसार थाना प्रभारी नरेन्द्रसिंह परिहार के निर्देशन में शिकायती आवेदनों की जांच शुरू की गई। जिसमें 10 से 12 युवकों के साथ धोखाधड़ी होना सामने आने पर मामले में बालूसिंह के खिलाफ धारा 420, 120 बी, 294, 506 भादवि का प्रकरण दर्ज कर लिया गया। फिलहाल आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

गढ़कालिका मंदिर में किन्नर साध्वी ने किया आत्मदाह का प्रयास

दर्शन को लेकर पुजारी से हुआ था विवाद प्रशासन पुलिस ने शांत कराया मामला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजा विक्रमादित्य की आराध्य देवी गढ़कालिका मंदिर में रविवार दोपहर आरती के दौरान किन्नर अखाड़े की साध्वी और पुजारी के बीच दर्शन को लेकर विवाद हो गया। मामले में तूल पकड़ा और किन्नर साध्वी ने आत्मदाह का प्रयास किया जिसे लोगों ने बचाया। घटनाक्रम सामने आने पर प्रशासन और पुलिस की टीम मंदिर पहुंच गई थी।

प्रसिद्ध गढ़कालिका मंदिर में रविवार को दर्शन व्यवस्था को लेकर किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर महाकालीनंद गिरी और पुजारी पक्ष के बीच तीखी बहस हो गई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की और हंगामे में बदल गई। रविवार की भीड़ के दौरान मंदिर के अंदर खड़े होने और प्रवेश की बात पर शुरू हुए विवाद के बीच साध्वी द्वारा मंदिर परिसर में ही पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की गई, जिसे वहां मौजूद लोगों ने बचाया। इस दौरान मंदिर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। किन्नर साध्वी ने पुजारी पक्ष पर अभद्र व्यवहार और धक्का-मुक्की का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की, जबकि मंदिर प्रशासक मूलचंद जाटवा ने इसे गलतफहमी बताते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित होने के कारण साध्वी को साइड में खड़े होने के लिए कहा गया था जिसको लेकर उन्होंने विवादित शुरू कर दिया। गढ़ कालिका मंदिर में विवाद की जानकारी लगते ही कलेक्टर कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने एसडीएम एल एन गर्ग को जांच के निर्देश दिए। नहीं मामले की जानकारी लगने पर जीवाजी गंज थाना पुलिस भी मंदिर पहुंच गई थी। सीएसपी पुष्पा प्रजापति ने बताया कि मामला शांत कर दिया गया है। दोनों पक्षों में समझौता हो गया है।